Syllabus

B.A. (HINDI)

Based on National Education Policy-2020

(To be Effective from Session 2023-24)

KAMLA NEHRU INSTITUTE
OF PHYSICAL & SOCIAL SCIENCES
Sultanpur (UP)

Accredited 'A' Grade by NAAC

(An Autonomous Institute)

Scanned with OKEN Scanner

कमला नेहरू भौतिक एवं सामाजिक विज्ञान संस्थान सुलतानपुर, (उ0प्र0) – 228118

स्वायत्तशासी संस्था

(सम्बद्ध – डॉ0 राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय अयोध्या, उ0प्र0)

पाठ्यक्रम

संलग्नक – सं.– 01

सत्र– 2023–24

हिन्दी काव्य

बी0ए0 – प्रथम वर्ष (प्रथम सेमेस्टर)

(कोर्स कोड – A010101T)

पूर्णांक: 75

Course Outcomes

हिन्दी काव्य के प्रतिनिधि कवियों की कविताओं के विषय में जानकारी प्रदान करना तथा हिन्दी काव्य के संक्षिप्त इतिहास की जानकारी देकर विद्यार्थियों को हिन्दी कविता के विकास क्रम से अवगत करना है।

CREDITS: 06	MAX. MARKS 25+75	MIN. PASSING MARKS 10+30

Total No. of Lecture- Tutorial-Practical (In our perweek): 3-0-0 or 2-1-0 etc.

Unit	Topic	No. of Lectures
I	भारतीय ज्ञान परम्परा के अन्तर्गत आदिकालीन एवं मध्यकालीन हिन्दी काव्य का इतिहास : इतिहास लेखन की परम्परा एवं विकास : भारतीय ज्ञान परम्परा एवं हिन्दी साहित्य, हिन्दी साहित्य का काल विभाजन, नामकरण एवं साहित्यिक प्रवृत्तिया। सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य, जैन साहित्य, रासो साहित्य, लौकिक साहित्य। भक्ति आन्दोलन के उदय के सामाजिक एवं सांस्कृतिक कारण, भक्तिकाल के प्रमुख सम्प्रदाय और उनका वैचारिक आधार, निर्गुण और सगुण कवि औश्र उनका काव्य। रीतिकाल की सामाजिक , सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, नामकरण, प्रवृत्तियां एवं परिप्रेक्ष्य। रीतिकालीन साहित्य के प्रमुख भेद (रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध, रीतिमुक्त प्रमुख कवि और उनका काव्य)।	12
II	**आधुनिक कालीन काव्य का इतिहास :** सामाजिक,सास्कृतिक, पृष्ठभूमि, नामकरण एवं साहित्यिक प्रवृत्तिया, 1857 का प्रथम स्वतन्त्रता संग्राम और सास्कृतिक पुनर्जागरण, हिन्दी नवजागरण, भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग एवं छायावाद की प्रवृत्तियां एवं अवदान। उत्तर छायावाद की विविध वैचारिक प्रवृत्तियां, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, समकालीन कविता, प्रमुख साहित्यकार , रचनाएं औश्र साहित्यिक विशेषताएं।	12
III	**आदिकालीन कवि : विद्यापति** (विद्यापति पदावली– क/ राधा की	10

प्रतिमा 10.9.23

	वन्दना ख/ श्रीकृष्ण प्रेम 35, ग/ राधा प्रेम 36) **गोरखनाथ :** गोरखवानी सबदी– पद सं0 2,4,7,8,16 रागराग श्री 10,11 **अमीर खुसरो :** कव्वाली, गीत, दोहे– गोरी सोवै..... खुसरो रैन..., देख मैं..., चकवा– चकवी..., सेज सूनी।	
IV	**भक्तिकालीन सगुण कवि : सूरदास** भ्रमरगीत सार – पद सं0 7,21,23,24,26 **गोस्वामी तुलसीदास** श्री रामचरितमानस (तुलसीदास गीता प्रेस, गोरखपुर) – अयोध्याकाण्ड – दोहा सं0 28, 29, 30, 31, 32 – कुल 05 पद (जानेउँ मरमु हँसि कहई, सुनहु प्रानप्रिय भावत जी का, एहि बिधि राउ मनहिं मन झाँखा, आगे दीखि जरत रिस भारी, राम सपथ सत कहुउँ सुभाऊ।)	11
V	**भक्तिकालीन निर्गुण कवि : कबीर** क/ गुरुदेव को अंग,1,6,11,17,20 ख/ विरह को अंग 4,10,12,20,33 ग/ मलिक मोहम्मद जायसी– मानसरोदक खण्ड 1 से 6 पद तक।	10
VI	**रीतिकालीन कवि : केशवदास** कविप्रिया–तृतीय प्रभाव 1,2,4,5 **बिहारीलाल** प्रारम्भ के 05 दोहे (मेरी भव बाधा हरौ, अपने अंग को जानि कै जोबन, अर तै टरत न वर परै, औरे ओप कनीनिकनु गनी घनी सिरताज, सनि कज्जल चख झख लगन उपज्यो सुदिन सनेहु) – बिहारी सतसई, जगन्नाथ दास रत्नाकर **घनानन्द** सुजानहित 1,4,7	11
VII	**आधुनिक कालीन कवि : भारतेन्दु हरिश्चन्द** : मातृभाषा प्रेम पर दोहे, रोकहु जो तो अमंगल होय, ब्रज के लता–पता मोहि कीजै। **जयशंकर प्रसाद :** कामायनी के श्रद्धासर्ग के प्रथम 10 पद। आंसू के प्रथम 5 पद। **सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला –** वर दे वीणा..... तुलसीदास– प्रारम्भ के 05 पद, वह तोड़ती पत्थर..... **सुमित्रानन्दन पंत :** मौन निमन्त्रण, प्रथम रश्मि, यह धरती कितना देती है। **महादेवी वर्मा :** बीन भी हूं..... फिर विकल है प्राण मेरे, यह मंदिर का दीप इसे नीरव जलने दो.	12
VIII	**अ/ छायावादोत्तर कवि और हिन्दी साहित्य में शोध : अज्ञेय** नदी के द्वीप, यह दीप अकेला, कलगी बाजरे की। **मुक्तिबोध :** विचार आते हैं, भूल गलती. **नागार्जुन :** अकाल और उसके बाद, बादल को घिरते.....।	12

Scanned with OKEN Scanner

धमवार भारती : बाआइ का गीत , कविता का गीत।

धूमिल : मोचीराम, रोटी और संसद।

ब/ **हिन्दी साहित्य में शोध** : शोध का अर्थ और परिभाषा, साहित्य में शोध की प्रविधियां, शोध के अंग और शोध का महत्व।

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. डॉ0 नगेन्द, हिन्दी साहित्य का इतिहास, नेशनल पब्लिशिंग हाउस नई दिल्ली, 1976
2. डॉ0 बच्चन सिंह हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास, राधा कृष्ण प्रकाशन नई दिल्ली, 1996
3. शुक्ल, आचार्य रामचन्द्र, साहित्य का इतिहास, लोक भारती प्रकाशन इलाहाबाद, 2019
4. वर्मा, डॉ0 राम कुमार साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास, साहित्य भवन प्रकाशन इलाहाबाद
5. पाठक, शिव सहाय, मलिक मोहम्मद जायसी और उनका काव्य, साहित्य भवन प्रकाशन इलाहाबाद
6. ओझा, डॉ0 दुर्गा प्रसाद एवं डॉ0 अनिल राय छायावादोत्तर काव्य प्रतिनिधि रचनाएं, प्रकाशन केन्द्र लखनऊ, 2014.
7. द्विवेदी, हजारी प्रसाद, हिन्दी साहित्य की भूमिका, हिन्दी ग्रन्थ रत्नाकर कार्यालय, मुम्बई, 1940
8. सिंह, डॉ0 शिवप्रसाद, विद्यापति, हिन्दी प्रचारक पुस्तकालय, वाराणसी।
9. वर्मा, राम कुमार, सन्त कबीर, साहित्य भवन, इलाहाबाद, 1943
10. सिंह, नामवर, आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियां, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2011
11. तिवारी, रामचन्द्र, हिन्दी गद्य का इतिहास, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 1992
12. श्रीवास्तव, डॉ0 रणधीर, विद्यापतिः एक अध्ययन, भारतीय ग्रन्थ निकेतन, नई दिल्ली, 1991.
13. चतुर्वेदी, राम स्वरूप, हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद 2019
14. ओझा, डॉ0 दुर्गा प्रसाद आधुनिक हिन्दी कविता, प्रकाशन केन्द्र लखनऊ, 2011.
15. वर्मा, राम कुमार, सन्त कबीर, साहित्य भवन, इलाहाबाद, 1943.

This course can be opted as an elective by the students of following subject:

इंटरमीडिएट अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।

Suggested Continuous Evaluation Methods:

लिखित परीक्षा, परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण।

Suggested Continuous Evaluation Methods:

1. कृति विशेष के भाषिक विश्लेषण पर परियोजना कार्य
2. वाचन

Course prerequisites: To study this course, students must have had the subject..........in class/12th/ certificate/ diploma.

सभी के लिए (सामान्य हिन्दी भाषा का ज्ञान अपेक्षित)

Suggested Evaluation Online courses:

....

Further Suggestions:

....

At the End of the whole syllabus any remarks/ Suggestions:

....

प्रतिमा

Scanned with OKEN Scanner

संलग्नक, सं -02

प्रश्न पत्र का प्रारूप और अंक विभाजन—

नोट :– यह प्रश्न पत्र तीन खण्डों मे विभक्त है। **खण्ड – अ,** अतिलघुउत्तरीय प्रश्न से सम्बन्धित है। जिसमें कुल 20 प्रश्न होगें। प्रत्येक प्रश्न 02 अंकों का होगा। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द सीमा लगभग 50 शब्दों में देना अनिवार्य है।

खण्ड– ब, लघुउत्तरीय प्रश्न से सम्बन्धित है। जिसमें कुल 05 प्रश्न होगें। प्रत्येक प्रश्न के लिए 04 अंक निर्धारित है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द सीमा लगभग 200 शब्द है।

खण्ड –स, दीर्घउत्तरीय प्रश्न से सम्बन्धित है। जिसमें कुल 01 प्रश्न होगा। जिसका उत्तर लगभग 500 शब्दों में देना अनिवार्य है। इस प्रश्न के लिए 15 अंक निर्धारित है।

प्रतिभा

Scanned with OKEN Scanner

कमला नेहरू भौतिक एवं सामाजिक विज्ञान संस्थान सुलतानपुर, (उ0प्र0) – 228118

स्वायत्तशासी संस्था

(सम्बद्ध – डॉ0 राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय अयोध्या, उ0प्र0)

पाठ्यक्रम

बी0ए0– प्रथम वर्ष (द्वितीय सेमेस्टर)

सत्र– 2023–24

कार्यालयीय हिन्दी और कम्प्यूटर

(कोर्स कोड – A010201T)

पूर्णांक: 75

Course Outcomes

हिन्दी के विद्यार्थियों को कार्यालय के कार्यों की मूलभूत जानकारी प्रदान करना ताकि वह कार्यालय के कार्यों को सुगमतापूर्वक कर सकें एवं कम्प्यूटर का मूलभूत ज्ञान देना तथा उन्हें कम्प्यूटर पर हिन्दी में कार्य करने में सक्षम बनाना। फलतः वे कम्प्यूटर में दक्ष होकर रोजगार की प्राप्ति हो सके।

CREDITS: 06	MAX. MARKS 25+75	MIN. PASSING MARKS 10+30
Total No. of Lecture- Tutorial-Practical (In our perweek): 3-0-0 or2-1-0 etc.		

Unit	Topic	No. of Lectures
I	**कार्यालयी हिन्दी का स्वरूप , उद्देश्य एवं क्षेत्र:** कार्यालयी हिन्दी की संकल्पना, उद्देश्य एवं क्षेत्र, कार्यालयी हिन्दी तथा सामान्य हिन्दी का सम्बन्ध, कार्यालयी हिन्दी की सम्भावनाएं, कार्यालयी कार्यकलाप की सामान्य जानकारी।	11
II	**कार्यालयी हिन्दी में प्रयुक्त पारिभाषिक शब्दावली :** शब्दावली निर्माण के सिद्धान्त, कार्यालयी हिन्दी की पारिभाषिक शब्दावली, कार्यालयों एवं अधिकारियों के नाम, पदनाम, सम्बोधन आदि प्रशासनिक एवं विधिक शब्दावली।	11
III	**कार्यालयी हिन्दी पत्राचार :** आवेदन पत्र, सरकारी पत्र, अर्द्धसरकारी पत्र, कार्यालय आदेश , परिपत्र, अधिसूचना, कार्यालय ज्ञापन, विज्ञापन, निविदा, संकल्प, प्रेस विज्ञप्ति।	12
IV	**प्रारूपण, टिप्पण, संक्षेपण, पल्लवन एवं प्रतिवेदन :** प्रारूपण का अर्थ, सामान्य परिचय, प्रारूपण लेखन की पद्धति। टिप्पणी का अर्थ, सामान्य परिचय, टिप्पण लेखन की पद्धति, टिप्पण और टिप्पणी में अन्तर। संक्षेपण का अर्थ, सामान्य परिचय, संक्षेपण लेखन की पद्धति। पल्लवन का अर्थ, सामान्य परिचय, पल्लवन के सिद्धान्त, पल्लवन और निबन्ध लेखन में अन्तर। प्रतिवेदन का अर्थ, सामान्य परिचय, एवं प्रयोग।	11
V	**हिन्दी भाषा एवं कम्प्यूटर का विकास क्रम :** कम्प्यूटर का सामान्य परिचय और इतिहास, कम्प्यूटर में हिन्दी भाषा के विकास का इतिहास, कम्प्यूटर में हिन्दी का भविष्य।	11
VI	**हिन्दी भाष में कम्प्यूटर प्रौद्योगिकी :** इन्टरनेट और हिन्दी ई–मेल, हिन्दी में उपलब्ध सापटवेयर, एवं वेबसाइट। हिन्दी से सम्बन्धित प्रमुख वेबसाइटें, सोशल मीडिया पर हिन्दी लेखन कौशल।	11
VII	**हिन्दी भाषा और ई–शिक्षण :** इन्टरनेट पर उपलब्ध पत्र– पत्रिकाएं,	11

Scanned with OKEN Scanner

	इन्टरनट पर उपलब्ध दृश्य श्रव्य सामग्री, ब्लाग, फसबुक पज, ई–पुस्कालय सामग्री। सरकारी तथा गैर सरकारी चैनल, (ज्ञान दर्शन, ई–पाठशाला स्वयं, मूक्स आदि), पॉडकास्ट, आभासी कक्षाएं।	
VIII	**अ/ हिन्दी कम्प्यूटर टकण एवं शॉर्टहैण्ड का सैद्धान्तिक पक्ष औश्र हिन्दी साहित्य में शोध :** हिन्दी भाषा के विभिन्न फॉन्ट, यूनिकोड, स्पीच टू टेक्स्ट प्रौद्योगिकी, हिन्दी पी0पी0टी0 स्लाइड एवं पोस्टर निर्माण। **ब/ हिन्दी साहित्य में शोध :** शोध के प्रकार (परिकल्पना, परीक्षण और पकिल्पना उत्पादन), शोध के चरण, साहित्यिक शोध का उद्देश्य।	12

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. सागर, रामचन्द्र सिंह, कार्यालय कार्य विधि, आत्माराम एण्ड संस, नई दिल्ली, 1963
2. शर्मा, चन्द्रपाल, कार्यालयीय हिन्दी की प्रकृति, समता प्रकाशन नई दिल्ली, 1991
3. प्रज्ञा पाठमाला, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार, नयी दिल्ली
4. गोदरे, डॉ. विनोद, प्रयोजनमूलक हिन्दी, वाणी प्रकाशन नई दिल्ली, 2009
5. हरिमोहन, आधुनिक जनसंचार हिन्दी तक्षशिला प्रकाशन नई दिल्ली
6. गोयल संतोष, हिन्दी भाषा और कम्प्यूटर श्री नटराज प्रकाशन नई दिल्ली
7. जैन, डॉ0 संजीव कुमार, प्रयोजनमूलक कामकाजी हिन्दी एवं कम्प्यूटिंग, कैलाश पुस्तक सदन भोपाल।
8. गोयल संतोष, हिन्दी भाषा और कम्प्यूटर, श्री नटराज प्रकाशन, दिल्ली।
9. सोनटक्के, डॉ0 माधव, प्रयोजनमूलक हिन्दी: प्रयुक्ति और अनुवाद, वाणी प्रकाशन नई दिल्ली।
10. मलहोत्रा, विजय कुमार, कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

	This course can be opted as an elective by the students of following subject: इंटरमीडिएट अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठयक्रम का चयन कर सकते हैं।
	Suggested Continuous Evaluation Methods: लिखित परीक्षा, परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण।
	Suggested Continuous Evaluation Methods: 1. कृति विशेष के भाषिक विश्लेषण पर परियोजना कार्य 2. वाचन
	Course prerequisites: To study this course, students must have had the subject.....in class/12th/ certificate/ diploma. सभी के लिए (सामान्य हिन्दी भाषा का ज्ञान अपेक्षित)
	Suggested Evaluation Online courses: .....
	Further Suggestions: .....

At the End of the whole syllabus any remarks/ Suggestions:

.....

प्रीतमा

Scanned with OKEN Scanner

संलग्नक, सं० - 02

प्रश्न पत्र का प्रारूप और अंक विभाजन–

नोट :– यह प्रश्न पत्र तीन खण्डों में विभक्त है। **खण्ड – अ**, अतिलघुउत्तरीय प्रश्न से सम्बन्धित है। जिसमें कुल 20 प्रश्न होगें। प्रत्येक प्रश्न 02 अकों का होगा। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द सीमा लगभग 50 शब्दों में देना अनिवार्य है।

खण्ड– ख, लघुउत्तरीय प्रश्न से सम्बन्धित है। जिसमें कुल 05 प्रश्न होगें। प्रत्येक प्रश्न के लिए 04 अंक निर्धारित है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द सीमा लगभग 200 शब्द है।

खण्ड –स, दीर्घउत्तरीय प्रश्न से सम्बन्धित है। जिसमें कुल 01 प्रश्न होगा। जिसका उत्तर लगभग 500 शब्दों में देना अनिवार्य है। इस प्रश्न के लिए 15 अंक निर्धारित है।

प्रतिमा

कमला नेहरू भौतिक एवं सामाजिक विज्ञान संस्थान सुलतानपुर, (उ0प्र0) – 228118

स्वायत्तशासी संस्था

(सम्बद्ध – डॉ0 राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय अयोध्या, उ0प्र0)

पाठ्यक्रम

बी0ए0– द्वितीय वर्ष (तृतीय सेमेस्टर)

सत्र– 2023–24

हिन्दी साहित्य

(कोर्स कोड – A010301T)

पूर्णांक: 75

Course Outcomes

हिन्दी के विद्यार्थियों को हिन्दी गद्य की सभी विधाओं का सम्यक ज्ञान देना तथा उन्हें हिन्दी के प्रतिनिधि उपन्यासकारों, कथाकारों, नाटककारों एवं एंकाकीकारों एवं अन्य गद्य विधाओं के लेखकों के महत्वपूर्ण प्रदेय से परिचित कराना ताकि विद्यार्थी इन सभी विधाओं से परिचित हो सकें और इस क्षेत्र में कैरियर बनाने के इच्छुक विद्यार्थी इस हेतु तैयार हो सकें।

CREDITS: 06	MAX. MARKS 25+75	MIN. PASSING MARKS 10+30

Total No. of Lecture- Tutorial-Practical (In our perweek): 3-0-0 or 2-1-0 etc.

Unit	Topic	No. of Lectures
I	हिन्दी गद्य साहित्य का संक्षिप्त इतिहास– हिन्दी कहानी का उदभव और विकास हिन्दी उपन्यास का उदभव और विकास हिन्दी नाटक का उदभव और विकास हिन्दी आलोचना का उदभव और विकास हिन्दी की अन्य गद्य विधाओं का उदभव और विकास	12
II	हिन्दी गद्य की महत्वपूर्ण विधाओं का संक्षिप्त परिचय– कहानी उपन्यास नाटक एकांकी आलोचना निबन्ध यात्रा वृतांत संस्मरण रेखाचित्र डायरी रिपोर्ताज आत्मकथा जीवनी व्यंग्य	12
III	हिन्दी उपन्यास	11

Scanned with OKEN Scanner

	झाँसी की रानी– वृन्दावनलाल वर्मा , विद्यार्थी संस्करण , सम्पादक– डॉ0 पुनीत बिसारिया , प्रभात प्रकाशन नई दिल्ली।	
IV	**हिन्दी कहानी** पंच परमेश्वर – प्रेमचन्द पाजेब– जैनेन्द्र गैंग्रीन– अज्ञेय परदा– यशपाल तीसरी कसम– फणीश्वर नाथ रेणु पिता– ज्ञानरंजन	11
V	**हिन्दी नाटक एवं एकांकी नाटक** ध्रुवस्वामिनी– जयशंकर प्रसाद एकांकी– दीपदान–डॉ0 रामकुमार वर्मा लक्ष्मी का स्वागत– उपेन्द्रनाथ अश्क	11
VI	**हिन्दी निबन्ध** भारतवर्षोन्नति कैसे हो सकती है– भारतेन्दु हरिश्चन्द्र मित्रता– आचार्य रामचन्द्र शुक्ल अशोक के फूल– हजारी प्रसाद द्विवेदी उत्तराफाल्गुनी के आस–पास– कुबेरनाथ राय तुम चन्दन हम पानी– विद्या निवास मिश्र	11
VII	**अन्य गद्य विधाएं – प्रथम खण्ड** रेखाचित्र – गिल्लू– महादेवी वर्मा संस्मरण– तीस बरस का साथी– रामविलास शर्मा जीवनी अंश– कलम का सिपाही– अमृत राय रिपोर्ताज– ऋण जल धन जल– रेणु व्यंग्य– भोलाराम का जीव– हरिशंकर परसाइ	11
VIII	**अन्य गद्य विधाएं – द्वितीय खण्ड** यात्रावृतान्त– मेरी तिब्बत यात्रा– राहुल सांकृत्यायन डायरी– एक लेखक की डायरी– मुक्तिबोध इन्टरव्यु– मैं इनसे मिला– सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला– पद्मसिंह शर्मा कमलेश आत्मकथा अंश– जूठन– ओमप्रकाश बाल्मीकी	11

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. तिवारी, रामचन्द्र, हिन्दी निबन्ध और निबन्धकार, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 2007.
2. सिंह बच्चन, आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास, लोक भारती प्रकाशन, प्रयागराज, 2019.
3. शुक्ल, रामचन्द्र, हिन्दी साहित्य का इतिहास विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी, 1992.
4. तिवारी, रामचन्द्र हिन्दी गद्य का इतिहास, लोक भारती प्रकाशन, प्रयागराज, 2019.
5. सिंह, नामवर, आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियां राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2018.
6. चतुर्वेदी, रामस्वरूप, गद्य विन्यास और विकास, लोक भारती प्रकाशन, प्रयागराज, 2018.
7. के0 सत्यनारायण (संपा.) दृश्य सप्तक, दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा, मद्रास, प्रथम संस्करण, सन् 1975.
8. दस एकांकी, श्रीराम मेहरा एण्ड कम्पनी, आगरा।
9. वर्मा, डॉ0 राम कुमार, आठ एकांकी नाटक, स्रोत: ई पुस्तकालय
10. भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, अंधेर नगरी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
11. प्रसाद जयशंकर ध्रुवस्वामिनी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
12. ओझा, डॉ0 दशरथ, हिन्दी नाटक : उद्भव एवं विकास, राजपाल एण्ड संस, दिल्ली।
13. रस्तोगी, गिरीश, हिन्दी नाटक का आत्म संघर्ष, लोक भारती, इलाहाबाद।
14. त्रिपाठी, सत्यवती, आधुनिक हिन्दी नाटकों में प्रयोगधर्मिता, राधा कृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
15. महेन्द्र, डॉ0 रामचरन, एकांकी और एकांकीकार, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

Scanned with OKEN Scanner

16. महेन्द्र, डा0 रामचरन, हिन्दी एकांकी, उद्भव एवं विकास, साहित्य प्रकाशन दिल्ली।
17. बिसारिया, डॉ0 पुनीत, प्रकीर्ण विविधा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, 2018.
18. बिसारिया, डॉ0 पुनीत, निबन्ध निकष शब्दसेतु प्रकाशन, नई दिल्ली, 2009.
19. बिसारिया, डॉ0 पुनीत, निबन्ध संग्रह, श्री नटराज प्रकाशन, नई दिल्ली, 2007.
20. बिसारिया, डॉ0 पुनीत, शोध कैसे करें, अटलांटिक पब्लिशर्स एण्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स, प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली, 2007.

	This course can be opted as an elective by the students of following subject: इंटरमीडिएट अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठयक्रम का चयन कर सकते हैं।
	Suggested Continuous Evaluation Methods: लिखित परीक्षा, परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण।
	Suggested Continuous Evaluation Methods: 1. कृति विशेष के भाषिक विश्लेषण पर परियोजना कार्य 2. वाचन
	Course prerequisites: To study this course, students must have had the subject.....in class/12th/ certificate/ diploma. सभी के लिए (सामान्य हिन्दी भाषा का ज्ञान अपेक्षित)
	Suggested Evaluation Online courses: .....
	Further Suggestions: .....

At the End of the whole syllabus any remarks/ Suggestions:

.....

Scanned with OKEN Scanner

प्रश्न पत्र का प्रारूप और अंक विभाजन–

नोट :– यह प्रश्न पत्र तीन खण्डों में विभक्त है। **खण्ड – अ**, अतिलघुउत्तरीय प्रश्न से सम्बन्धित है। जिसमें कुल 20 प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्न 02 अंकों का होगा। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द सीमा लगभग 50 शब्दों में देना अनिवार्य है।

खण्ड– ब, लघुउत्तरीय प्रश्न से सम्बन्धित है। जिसमें कुल 05 प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 04 अंक निर्धारित है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द सीमा लगभग 200 शब्द है।

खण्ड –स, दीर्घउत्तरीय प्रश्न से सम्बन्धित है। जिसमें कुल 01 प्रश्न होगा। जिसका उत्तर लगभग 500 शब्दों में देना अनिवार्य है। इस प्रश्न के लिए 15 अंक निर्धारित है।

कमला नेहरू भौतिक एवं सामाजिक विज्ञान संस्थान सुलतानपुर, (उ0प्र0) – 228118

स्वायत्तशासी संस्था

(सम्बद्ध – डॉ0 राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय अयोध्या, उ0प्र0)

पाठ्यक्रम

बी0ए0– द्वितीय वर्ष (चतुर्थ सेमेस्टर)

सत्र–2023–24

हिन्दी साहित्य – हिन्दी अनुवाद

(कोर्स कोड – A010401T)

पूर्णांक: 75

Course Outcomes

विद्यार्थियों को हिन्दी साथ–साथ अंग्रेजी की प्रारम्भिक जानकारी प्रदान करते हुए वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मक वातावरण के साथ सामंजस्य स्थापित करने में सक्षम बनाना तथा भारतीय संस्कृति और साहित्य के प्रचार–प्रसार में सहायक बनाना।

CREDITS: 06	MAX. MARKS 25+75	MIN. PASSING MARKS 10+30

Total No. of Lecture- Tutorial-Practical (In our perweek): 3-0-0 or 2-1-0 etc.

Unit	Topic	No. of Lectures
I	**अनुवाद की अवधारणा –** अनुवाद:– परिभाषा, स्वरूप अनुवाद: का महत्व– अनुवाद:के अन्य रूप:– लिप्यन्तरण, मशीनी अनुवाद आदि अनुवादक के गुण, दायित्व और अपेक्षाएं अनुवाद: में रोजगार की सम्भावनाएं	11
II	**अनुवाद के क्षेत्र–** प्रकिया प्रकार सीमाएं अंग्रेजी – हिन्दी अनुवाद की समस्याएं और समाधान	11
III	**अनुवाद का सामाजिक–सांस्कृतिक संदर्भ–** संस्कृति , साहित्य और भाषा अनुवाद: और संस्कृति अनुवाद: और समाज अनुवाद: और भाषा बहुभाषिक समाज में अनुवाद	11
IV	**अनुवाद के साधन–** अनुवाद में कोश का महत्व कोशों के प्रकार कोशों के उपयोग संकेत प्रणाली शब्दकोश के उपयोग	11

प्रतिमा

Scanned with OKEN Scanner

	शब्दकोश के उपयोग पर्यायकोश के उपयोग उच्चारण कोश के उपयोग भाषिक कोश के उपयोग विषय कोश के उपयोग परिभाषा कोश के उपयोग विश्व कोश के उपयोग साहित्य कोश के उपयोग	
V	**पारिभाषिक शब्दावली–** पारिभाषिक शब्द :– तात्पर्य तथा लक्षण सामान्य शब्दों तथा पारिभाषिक शब्दों की अनुवाद में भूमिका पारिभाषिक शब्दावली निर्माण के सिद्धान्त पारिभाषिक शब्दावली निर्माण की प्रक्रिया	11
VI	**अनुवाद का पुनरीक्षण, मूल्यांकन तथा समीक्षा** पुनरीक्षण, मूल्यांकन समीक्षा	11
VII	**अनुवाद सैद्धान्तिकी– एक** (हिन्दी से अंग्रेजी, अंग्रेजी से हिन्दी) प्रशासनिक अनुवाद बैंकिंग अनुवाद विधि अनुवाद ज्ञान–विज्ञान तथा तकनीकी अनुवाद	12
VIII	**अनुवाद सैद्धान्तिकी– दो** (हिन्दी से अंग्रेजी, अंग्रेजी से हिन्दी) समाजिक विषयों का अनुवाद सर्जनात्मक अनुवाद	12

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. तिवारी भोलानाथ, अनुवाद विज्ञान, शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली 1972
2. समीर श्रीनारायण, अनुवाद की प्रक्रिया, तकनीकी और समस्याएं, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली 2012
3. पालीवाल डॉ0 रीतारानी, अनुवाद की प्रक्रिया और परिदृश्य, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2016
4. टण्डन पुरनचन्द्र, भाषादक्षता (भाग एक से चार) किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली, 2018
5. बिसारिया, डॉ0 पुनीत, शोध कैसे करें, अटलांटिक पब्लिशर्स एण्ड डिस्ट्रीब्यूटर प्रा0 लिमिटेड दिल्ली
6. अग्रवाल कुसुम, अनुवाद शिल्प, समकालीन सन्दर्भ, साहित्य सहकार प्रकाशन, दिल्ली 1999
7. गुप्ता डॉ0 गार्गी, तिवारी डॉ0 भोलानाथ, अनुवाद का व्याकरण, भारतीय अनुवाद परिषद, दिल्ली 1994
8. चौधरी डॉ0 प्रवीण, कार्यालयीय भाषा और अनुवाद, विनय प्रकाशन, अहमदाबाद 2012
9. टण्डन पुरनचन्द्र एवं सेठी डॉ0 हरिश कुमार, अनुवाद के विविध आयाम, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली 2005
10. कुमार, डॉ0 सुरेश, अनुवाद और पारिभाषिक शब्दावली केन्द्री हिन्दी संस्थान, आगरा 1997

	This course can be opted as an elective by the students of following subject: इंटरमीडिएट अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठयक्रम का चयन कर सकते हैं।
	Suggested Continuous Evaluation Methods: लिखित परीक्षा, परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण।

प्रतिमा

Scanned with OKEN Scanner

	Suggested Continuous Evaluation Methods: 1. कृति विशेष के भाषिक विश्लेषण पर परियोजना कार्य 2. वाचन
	Course prerequisites: To study this course, students must have had the subject.....in class/12th/ certificate/ diploma. सभी के लिए (सामान्य हिन्दी भाषा का ज्ञान अपेक्षित)
	Suggested Evaluation Online courses: .....
	Further Suggestions: .....

At the End of the whole syllabus any remarks/ Suggestions:

.....

Scanned with OKEN Scanner

प्रश्न पत्र का प्रारूप और अंक विभाजन– संलग्नक सं॰ - 02

नोट :– यह प्रश्न पत्र तीन खण्डों में विभक्त है। **खण्ड – अ**, अतिलघुउत्तरीय प्रश्न से सम्बन्धित है। जिसमें कुल 20 प्रश्न होगें। प्रत्येक प्रश्न 02 अकों का होगा। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द सीमा लगभग 50 शब्दों में देना अनिवार्य है।

खण्ड– ख, लघुउत्तरीय प्रश्न से सम्बन्धित है। जिसमें कुल 05 प्रश्न होगें। प्रत्येक प्रश्न के लिए 04 अंक निर्धारित है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द सीमा लगभग 200 शब्द है।

खण्ड –स, दीर्घउत्तरीय प्रश्न से सम्बन्धित है। जिसमें कुल 01 प्रश्न होगा। जिसका उत्तर लगभग 500 शब्दों में देना अनिवार्य है। इस प्रश्न के लिए 15 अंक निर्धारित है।

प्रतिमा

कमला नेहरू भौतिक एवं सामाजिक विज्ञान संस्थान सुलतानपुर, (उ0प्र0) – 228118
स्वायत्तशासी संस्था
(सम्बद्ध – डॉ0 राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय अयोध्या, उ0प्र0)

पाठ्यक्रम

बी0ए0– तृतीय वर्ष (पंचम सेमेस्टर)

सत्र–2023–24

साहित्यशास्त्र एवं हिन्दी आलोचना

(कोर्स कोड – A010501T)

पूर्णांक: 75

Course Outcomes

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से विद्यार्थी साहित्यशास्त्र एवं आलोचना के अर्थ, महत्व और उनके विषय क्षेत्र से परिचित हो सकेंगे। तथा वे हिन्दी आलोचना के रूप में भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य शास्त्र के आधुनिक विकास के विविध रूपों और दिशाओं का साक्षात्कार कर सकेंगे।

CREDITS: 06	MAX. MARKS 25+75	MIN. PASSING MARKS 10+30
Total No. of Lecture- Tutorial-Practical (In our perweek): 3-0-0 or 2-1-0 etc.		
Unit	Topic	No. of Lectures
I	भारतीय काव्य शास्त्र – काव्य प्रयोजन काव्य लक्षण काव्य हेतु काव्य का स्वरूप काव्य की आत्मा	9
II	काव्य का सिद्धान्त– अलंकार सिद्धान्त रीति सिद्धान्त रस सिद्धान्त ध्वनि सिद्धान्त वक्रोक्ति सिद्धान्त औचित्य सिद्धान्त	9
III	साहित्य शास्त्रीय अवधारणएं– काव्य रूप काव्य गुण शब्द शक्ति	9

प्रतिमा

Scanned with OKEN Scanner

	काव्य दोष	
IV	नाट्यशास्त्र– भारतीय नाट्यशास्त्र का सामान्य परिचय वृत्ति अभिनय रूपक कथा नेता या नायक नायिका रंग मंचीय विशेषताएं	9
V	पाश्चात्य काव्यशास्त्र– अरस्तू– अनुकरण सिद्धान्त, विरेचन सिद्धान्त कालरिज– कल्पना और फैंटेसी रिचर्ड्स का सम्प्रेषण सिद्धान्त टीएस इलियट का निर्वैयक्तिकता का सिद्धान्त	9
VI	हिन्दी आलोचना का इतिहास तथा सैद्धान्तिकी– हिन्दी आलोचना का विकास सैद्धान्तिक आलोचना स्वच्छन्दतावादी आलोचना मार्क्सवादी आलोचना मनोविश्लेषणवादी आलोचना	10
VII	समीक्षा की विचारधाराएं– नई समीक्षा यथार्थवाद बिम्बवाद प्रतीकवाद संरचनावाद तथा उत्तर संरचनावाद विखण्डनवाद	10
VIII	आलोचक एवं आलोचना दृष्टि– रामचन्द्र शुक्ल– काव्य में लोकमंगल प्रेमचन्द– साहित्य का उद्देश्य प्रसाद– छायावाद और यथार्थवाद हजारी प्रसाद द्विवेदी–आधुनिक साहित्य नई मान्यताएं राम विलास शर्मा– तुलसी साहित्य में सामन्त विरोधी मूल्य नामवर सिंह– कहानी– नई और पुरानी	10

Scanned with OKEN Scanner

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. बिसारिया, डॉ0 पुनीत, शोध कैसे करें, अटलांटिक पब्लिशर्स एण्ड डिस्ट्रीब्यूटर प्रा0 लिमिटेड दिल्ली
2. शर्मा, डॉ0 देवेन्द्र नाथ पाश्चात्य काव्य शास्त्र, मयूर पेपर बैक्स, नोएडा 2002
3. नवल, नन्दकिशोर, हिन्दी आलोचना का विकास, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली 1981
4. सिंह, बच्चन, भारतीय एवं काव्यशास्त्र का तुलनात्मक अध्ययन, हरियाणा साहित्य अकादमी, चण्डीगढ़ 1987
5. मिश्र भगीरथ, पाश्चात्य काव्यशास्त्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 1988
6. मिश्र भगीरथ, भारतीय काव्यशास्त्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 1988
7. त्रिपाठी, विश्वनाथ, हिन्दी आलोचना, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 1992
8. तिवारी, डॉ0 रामचन्द्र, भारतीय एवं काव्यशास्त्र की रूपरेखा, लोक भारतीय प्रकाशन, इलाहाबाद, 2010

	This course can be opted as an elective by the students of following subject: इंटरमीडिएट अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।
	Suggested Continuous Evaluation Methods: लिखित परीक्षा, परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण।
	Suggested Continuous Evaluation Methods: 1. कृति विशेष के भाषिक विश्लेषण पर परियोजना कार्य 2. वाचन
	Course prerequisites: To study this course, students must have had the subject.....in class/12th/ certificate/ diploma. सभी के लिए (सामान्य हिन्दी भाषा का ज्ञान अपेक्षित)
	Suggested Evaluation Online courses: .....
	Further Suggestions: .....

At the End of the whole syllabus any remarks/ Suggestions:

.....

प्रतिमा

संलग्नक सं. -02

प्रश्न पत्र का प्रारूप और अंक विभाजन–

नोट :– यह प्रश्न पत्र तीन खण्डों में विभक्त है। **खण्ड – अ**, अतिलघुउत्तरीय प्रश्न से सम्बन्धित है। जिसमें कुल 20 प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्न 02 अकों का होगा। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द सीमा लगभग 50 शब्दों में देना अनिवार्य है।

खण्ड– ख, लघुउत्तरीय प्रश्न से सम्बन्धित है। जिसमें कुल 05 प्रश्न होगें। प्रत्येक प्रश्न के लिए 04 अंक निर्धारित है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द सीमा लगभग 200 शब्द है।

खण्ड –स, दीर्घउत्तरीय प्रश्न से सम्बन्धित है। जिसमें कुल 01 प्रश्न होगा। जिसका उत्तर लगभग 500 शब्दों में देना अनिवार्य है। इस प्रश्न के लिए 15 अंक निर्धारित है।

प्रतिमा

कमला नेहरू भौतिक एवं सामाजिक विज्ञान संस्थान सुलतानपुर, (उ0प्र0) – 228118
स्वायत्तशासी संस्था
(सम्बद्ध – डॉ0 राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय अयोध्या, उ0प्र0)

पाठ्यक्रम
बी0ए0– तृतीय वर्ष (पंचम सेमेस्टर)
सत्र–2023–24
हिन्दी का राष्ट्रीय काव्य
(कोर्स कोड – A010502T)

पूर्णांक: 75

Course Outcomes
हिन्दी की राष्ट्रीय काव्य चेतना से जुड़े कवियों की रचनाओं के माध्यम से विद्यार्थियों में राष्ट्र की प्रति अनुराग उत्पन्न करना।

CREDITS: 06	MAX. MARKS 25+75	MIN. PASSING MARKS 10+30

Total No. of Lecture- Tutorial-Practical (In our perweek): 3-0-0 or 2-1-0 etc.

Unit	Topic	No. of Lectures
I	**वीरगाथा काल का राष्ट्रीय काव्य–** चन्दवरदाई– पृथ्वीराज रासो के रेवातट समय के अंश (चढ़तराज पृथिराज) जगनिक– आल्हखण्ड नैनागढ़ की लड़ाई अथवा आल्हा का विवाहखण्ड (प्रथम पांच सुमिरन अंश, गया न कीन्ही जिन कलजुग माँ— भयानक मार) अंतिम पांच अंश (भोर भुरहरे—— लड़िहैं खूब गीर मलखान)	9
II	**भक्ति एवं रीतिकाल का राष्ट्रीय काव्य–** गुरुगोविन्द सिंह– देहु शिवा वर मोहि इहै, बाण चले तेई कुंमकुन मानो, यों सुनि के बतियान तिहि की भूषण– इन्द्र जिमि पर, बानै फहराने, निज म्यान ते म्यूखैं, दारुन दहत हरनाकुस विदारिबे को	9
III	**भारतेन्दु एवं द्विवेदी युगीन राष्ट्रीय काव्य–** भारतेन्दु हरिश्चन्द– उन्नत चित हवै आर्य परस्पर प्रीत बढ़ावें, भीतर–भीतर सब रस चूसै, सब गुरुजन को बुरो बतावै अयोध्या सिंह उपाध्याय हरिऔध– जन्मभूमि मैथिलीशरण गुप्त– आर्य,	9
IV	छायावाद युगीन राष्ट्रीय काव्य– जयशंकर प्रसाद– प्रयाण गीत (हिमाद्रि तुंग श्रृंग) सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला– भारती वन्दना (भारति जय विजय करें), जागो फिर एक बार सुभद्रा कुमारी चौहान–वीरों का कैसा हो बसन्त	9

प्रतिमा

Scanned with OKEN Scanner

V	छायावादोत्तर राष्ट्रीय काव्य– बालकृष्ण शर्मा नवीन– कवि कुछ ऐसी तान सुनाओ रामधारी सिंह दिनकर– हिमालय	9
VI	समकालीन राष्ट्रीय काव्य प्रथम चरण– श्याम नारायण पाण्डेय– राणा प्रताप की तलवार गोपाल प्रसाद व्यास–खूनी हस्ताक्षर, शहीदों में तू नाम लिखा ले रे	10
VII	समकालीन राष्ट्रीय काव्य द्वितीय चरण– सोहनलाल द्विवेदी– तुम्हें नमन(चल पड़े जिधर दो डग मग में) अटल बिहारी बाजपेई– कदम मिलाकर चलना होगा, उनकी याद करें	10
VIII	हिन्दी फिल्मी गीतों में राष्ट्रीय काव्य– ऐ मेरे वतन के लोगों जरा आख में भर लो पानी (गैर फिल्मी) हम लाए हैं तूफान से कस्ती निकाल के (जागृति 1954) साहिर लुधियानवी– ये देश है वीर जवानों का (नया औश्र 1957) प्रेम धवन– छोडो कल की बातें कल की बात पुरानी (हम हिन्दुस्तानी 1961) नीरज– ऐ मेरे प्यारे वतन (काबुली वाला 1961) कैफी आजमी– कर चले हम फिदा जाने तन साथियों (हकीकत 1964) राजेन्द्र कृष्ण–जहां डाल–डाल पर सोने की चिडिया करती हैं बसेरा (सिकन्दर आजम 1965) गुलसन बावरा–मेरे देश की धरती सोना उगले (उपकार 1967) इन्दीवर– है प्रीत जहां की रीत सदा (पूरब और पश्चिम 1971)	10

सेशनल अथवा सत्रीय परीक्षा (प्रायोगिक कार्य) – सत्रीय परीक्षा में विद्यार्थी को आंतरिक मूल्यांकन के अन्तर्गत 25 अंक की प्रायोगिक परीक्षा देनी होगी, जिसके अन्तर्गत विद्यार्थियों को निम्नलिखित फिल्मों में से कोई एक फिल्म देखकर उसकी समीक्षा तथा उसमें वर्णित संदेश परियोजना कार्य के रूप में आंतरिक मूल्यांकन हेतु जमा करना होगा–

'आनन्दमठ'
'हकीकत'
'उपकार'
'शहीद'
'गांधी'
'उरी : द सर्जिकल स्ट्राइक'
'केसरी'

प्रतिमा

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. तिवारी, उदयनारायण, वीर काव्य, भारतीय भण्डार, प्रयाग, प्रथम संस्करण, 2005
2. चन्दबरदाई, पृथ्वीराज रासो, मोहन लाल विष्णुलाल पाड्या, डॉ० श्याम सुन्दर दास, नागरी प्रचारणी सभा वाराणसी, 1906
3. सिंह, शान्ता, चन्दबरदाई, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली, पुर्नमुद्रण, 2017
4. आल्हाखण्ड, ई पुस्तकालय डाट काम
5. श्यामसुन्दर दास (सम्पादन), परमाल रासो नागरी प्रचारणी सभा वाराणसी, प्रथम संस्करण
6. सिंह, डॉ० महीप, गुरुगोविन्द सिंह और उनका काव्य, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, प्रथम संस्करण, 1969
7. बोरा, राजमल, भूषण, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली, पुर्नमुद्रण, 2017
8. मिश्र आचार्य विश्वनाथ प्रसाद, वाणी वितान, वाराणसी, सम्वत् 2010
9. ब्रज रत्नदास, भारतेन्दु ग्रन्थावली, वाराणसी
10. पालीवाल, डॉ० कृष्णदत्त, मैथिलीशरण गुप्त ग्रन्थावली, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, सन् 2008
11. kavitakosh.org
12. epustkalaya.com
13. ndl.iitkgp.ac.in (National digital library of india
14. hindigeetmala.net
15. गिरीश, गिरिजादत्त शुक्ल, महाकवि हरिऔध, अरुणोदय पब्लिशिंग हाउस, प्रयाग, 1932

	This course can be opted as an elective by the students of following subject: इंटरमीडिएट अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।
	Suggested Continuous Evaluation Methods: लिखित परीक्षा, परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण।
	Suggested Continuous Evaluation Methods: 1. कृति विशेष के भाषिक विश्लेषण पर परियोजना कार्य 2. वाचन
	Course prerequisites: To study this course, students must have had the subject.....in class/12th/ certificate/ diploma. सभी के लिए (सामान्य हिन्दी भाषा का ज्ञान अपेक्षित)
	Suggested Evaluation Online courses: .....
	Further Suggestions: .....

प्रतिमा

Scanned with OKEN Scanner

संलग्नक, सं.-02

प्रश्न पत्र का प्रारूप और अंक विभाजन–

नोट :– यह प्रश्न पत्र तीन खण्डों मे विभक्त है। **खण्ड – अ,** अतिलघुउत्तरीय प्रश्न से सम्बन्धित है। जिसमें कुल 20 प्रश्न होगें। प्रत्येक प्रश्न 02 अकों का होगा। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द सीमा लगभग 60 शब्दों मे देना अनिवार्य है।

खण्ड– ब, लघुउत्तरीय प्रश्न से सम्बन्धित है। जिसमें कुल 05 प्रश्न होगें। प्रत्येक प्रश्न के लिए 04 अंक निर्धारित है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द सीमा लगभग 200 शब्द है।

खण्ड –स, दीर्घउत्तरीय प्रश्न से सम्बन्धित है। जिसमें कुल 01 प्रश्न होगा। जिसका उत्तर लगभग 600 शब्दों मे देना अनिवार्य है। इस प्रश्न के लिए 15 अंक निर्धारित है।

Scanned with OKEN Scanner

कमला नेहरू भौतिक एवं सामाजिक विज्ञान संस्थान सुलतानपुर, (उ0प्र0) – 228118

स्वायत्तशासी संस्था

(सम्बद्ध – डॉ0 राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय अयोध्या, उ0प्र0)

पाठ्यक्रम

बी0ए0– तृतीय वर्ष (षष्ठम सेमेस्टर)

सत्र–2023–24

भाषा विज्ञान, हिन्दी भाषा तथा देवनागरी लिपि

(कोर्स कोड – A010607T)

पूर्णांक: 75

Course Outcomes

भाषा के अंगों, हिन्दी भाषा के उदभव और विकास तथा देवनागरी लिपि के स्वरूप की जानकारी प्राप्त होगी। विद्यार्थियों को हिन्दी की वैज्ञानिक और वैधानिक स्थिति से परिचित करना।

CREDITS: 06	MAX. MARKS 25+75	MIN. PASSING MARKS 10+30

Total No. of Lecture- Tutorial-Practical (In our perweek): 3-0-0 or 2-1-0 etc.

Unit	Topic	No. of Lectures
I	भाषा एवं भाषा विज्ञान का सामान्य परिचय– भाषा– परिभाषा, स्वरूप, अभिलक्षण भाषा विज्ञान– परिभाषा, प्रकार , क्षेत्र, शाखाएं	9
II	भाषिक संरचना तथा स्तर– ध्वनि शब्द रूप वाक्य प्रोक्ति अर्थ	9
III	हिन्दी भाषा की उत्पत्ति तथा विकास– पृष्ठभूमि अपभ्रंश अवहट्ट पुरानी हिन्दी मानक हिन्दी	9
IV	हिन्दी शब्द सम्पदा और उसके मूल स्रोत–	9

प्रतिभा

	हिन्दी ध्वनियों का वर्गीकरण आधार– बाह्य प्रयत्न, अभ्यन्तर प्रयत्न, उच्चारण स्थान, प्राणत्व और अनुनासिकता	
V	**हिन्दी की उपभाषाओं तथा बोलियों का परिचय–** पश्चिमी हिन्दी पूर्वी हिन्दी पहाड़ी हिन्दी राजस्थानी हिन्दी बिहारी हिन्दी	9
VI	**हिन्दी की वैधानिक तथा संवैधानिक स्थिति–** राजभाषा आयोग राजभाषा अधिनियम तथा उनका विश्लेषण संवैधानिक प्रावधान तथा उनका विश्लेषण	10
VII	**देवनागरी लिपि–** नामकरण, उद्भव और विकास विशेषताएं वैज्ञानिकता समस्या सुधार	10
VIII	**क्षेत्रीय बोली का विशेष अध्ययन–** क्षेत्रीय बोली का विकास क्रम क्षेत्रीय बोली का साहित्यिक विकास	10

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. शर्मा आचार्य देवेन्द्र नाथ, भाषा विज्ञान की भूमिका, राधा कृष्ण प्रकाशन, दरियागंज, नई दिल्ली, 1972
2. द्विवेदी कपिलदेव, भाषा विज्ञान एवं भाषा – शास्त्र विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 1980
3. शर्मा डॉ0 राम किशोर, हिन्दी भाषा का एतिहासिक परिप्रेक्ष्य, विद्या प्रकाशन, इलाहाबाद, 1994
4. तिवारी भोलानाथ, हिन्दी भाषा का इतिहास, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 1987
5. त्रिपाठी सत्यनारायण, हिन्दी भाषा और लिपि का एतिहासिक विकास, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 1981
6. शर्मा राजमणि, हिन्दी भाषा: इतिहास एवं स्वरूप वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2014
7. बाहरी हरदेव, हिन्दी भाषा अभिव्यक्ति प्रकाशन, दिल्ली, 2017
8. वर्मा डॉ0 धीरेन्द्र, हिन्दी भाषा और लिपि, हिन्दुस्तानी एकडमी, प्रयाग, 1951

प्रतिमा

Scanned with OKEN Scanner

	This course can be opted as an elective by the students of following subject: इंटरमीडिएट अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।
	Suggested Continuous Evaluation Methods: लिखित परीक्षा, परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण।
	Suggested Continuous Evaluation Methods: 1. कृति विशेष के भाषिक विश्लेषण पर परियोजना कार्य 2. वाचन
	Course prerequisites: To study this course, students must have had the subject.....in class/12th/ certificate/ diploma. सभी के लिए (सामान्य हिन्दी भाषा का ज्ञान अपेक्षित)
	Suggested Evaluation Online courses: .....
	Further Suggestions: .....

At the End of the whole syllabus any remarks/ Suggestions:

.....

संलग्नक, सं.-12

प्रश्न पत्र का प्रारूप और अंक विभाजन–

नोट :– यह प्रश्न पत्र तीन खण्डों में विभक्त है। **खण्ड – अ**, अतिलघुउत्तरीय प्रश्न से सम्बन्धित है। जिसमें कुल 20 प्रश्न होगें। प्रत्येक प्रश्न 02 अंको का होगा। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द सीमा लगभग 50 शब्दों में देना अनिवार्य है।

खण्ड– ख, लघुउत्तरीय प्रश्न से सम्बन्धित है। जिसमें कुल 05 प्रश्न होगें। प्रत्येक प्रश्न के लिए 04 अंक निर्धारित है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द सीमा लगभग 200 शब्द है।

खण्ड –स, दीर्घउत्तरीय प्रश्न से सम्बन्धित है। जिसमें कुल 01 प्रश्न होगा। जिसका उत्तर लगभग 500 शब्दों में देना अनिवार्य है। इस प्रश्न के लिए 15 अंक निर्धारित है।

प्रतिमा

Scanned with OKEN Scanner

ा नेहरू भौतिक एवं सामाजिक विज्ञान संस्थान सुलतानपुर, (उ0प्र0) – 228118
स्वायत्तशासी संस्था
(सम्बद्ध – डॉ0 राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय अयोध्या, उ0प्र0)

पाठ्यक्रम

बी0ए0– तृतीय वर्ष (षष्ठम सेमेस्टर)
सत्र–2023–24
लोक साहित्य एवं लोक संस्कृति
(कोर्स कोड – A010602T)

पूर्णांक: 75

Course Outcomes

भारतीय संस्कृति में जनश्रुति से निर्मित साहित्य के महत्वपूर्ण योगदान से विद्यार्थियों को परिचित कराना तथा लोक संस्कृति के विकास से विद्यार्थियों को अवगत कराना।

CREDITS: 06	MAX. MARKS 25+75	MIN. PASSING MARKS 10+30

Total No. of Lecture- Tutorial-Practical (In our perweek): 3-0-0 or 2-1-0 etc.

Unit	Topic	No. of Lectures
I	**लोक साहित्य का सामान्य परिचय–** लोक साहित्य : परिभाषा, क्षेत्र, वर्गीकरण	9
II	**लोक साहित्य और शिष्ट साहित्य–** लोक साहित्य और शिष्ट साहित्य का पारस्परिक संबन्ध	9
III	**लोक साहित्य, लोक संस्कृति एवं राष्ट्रीय एकता–** लोक साहित्य में लोक संस्कृति का चित्रण, लोक संस्कृति और राष्ट्रीय एकता	9
IV	**लोक साहित्य का संकलन, संरक्षण एवं संवर्धन–** लोक साहित्य का संकलन, संरक्षण एवं संवर्धन, राष्ट्रीय जीवन में लोक साहित्य का महत्व	9
V	**लोक साहित्य की विविध विधाएं–** लोकगीत, लोक गाथा, लोककथा, लोक नाट्य, लोकनृत्य, एवं लोक संगीत	9
VI	**लोक का प्रकीर्ण साहित्य–** लोकोक्तियां, मुहावरे एवं पहेलियां– परम्परा एवं महत्व	10
VII	**हिन्दी लोक साहित्य का विकास क्रम–** हिन्दी का लोक साहित्य, इतिहास, अध्ययन की सीमाएं एवं आवश्यकताएं, हिन्दी का लोक साहित्य और बोलियां	10
VIII	हिन्दी के विविध क्षेत्रीय (आंचलिक) लोक साहित्य का परिचय। (इस ईकाइ	10

प्रतिमा

Scanned with OKEN Scanner

संलग्नक, सं - 2

प्रश्न पत्र का प्रारुप और अंक विभाजन–

नोट :– यह प्रश्न पत्र तीन खण्डों में विभक्त है। **खण्ड – अ.** अतिलघुउत्तरीय प्रश्न से सम्बन्धित है। जिसमें कुल 20 प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्न 02 अंकों का होगा। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द सीमा लगभग 50 शब्दों में देना अनिवार्य है।

खण्ड– ब. लघुउत्तरीय प्रश्न से सम्बन्धित है। जिसमें कुल 05 प्रश्न होगें। प्रत्येक प्रश्न के लिए 04 अंक निर्धारित है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द सीमा लगभग 200 शब्द है।

खण्ड –स. दीर्घउत्तरीय प्रश्न से सम्बन्धित है। जिसमें कुल 01 प्रश्न होगा। जिसका उत्तर लगभग 500 शब्दों में देना अनिवार्य है। इस प्रश्न के लिए 15 अंक निर्धारित है।

प्रतिमा

Scanned with OKEN Scanner

Syllabus

M.A. (HINDI)

Based on National Education Policy-2020

(To be Effective from Session 2023-24)

KAMLA NEHRU INSTITUTE
OF PHYSICAL & SOCIAL SCIENCES
Sultanpur (UP)

Accredited 'A' Grade by NAAC

(An Autonomous Institute)

Scanned with OKEN Scanner

कमला नेहरू भौतिकएवं सामाजिक विज्ञान संस्थान
सुलतानपुर, (उ0प्र0)–228118

स्वायत्तशासी संस्थान

(सम्बद्ध – डॉ0 राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय
अयोध्या, (उ0प्र0)

हिन्दी साहित्य

पाठ्यक्रम– परास्नातक

सत्र– 2023–24

Scanned with OKEN Scanner

Course Code		Course Title	Credits	T/P	Evaluation	
					CIE	ETE
A	B	C	D	E	F	G
SEMESTER I (YEAR I)						
A010701T	CORE	हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल)	5	T	25	75
A010702T	CORE	भक्तिकाल हिन्दी काव्य (कबीर, जायसी, तुलसीदास, सूरदास)	5	T	25	75
A010703T	CORE	भारतीय काव्यशास्त्र एवं प्रमुख सिद्धान्त	5	T	25	75
A010704T	FIRST ELECTIVE (Select any one)	आधुनिक हिन्दी कथा साहित्य	5	T	25	75
A010705T		आधुनिक हिन्दी के विविध गद्य रूप	5	T	25	75
A010706P	SECOND ELECTIVE (Select any one)	स्वयं के यात्रावृत्त / रिपोर्ताज / किसी लेखक के साथ साक्षात्कार अथवा संस्मरण आदि पर न्यूनतम 6000 शब्दों में लेखन	5	P	50	50
A010707P		परियोजना प्रस्तुति (आदिकाल से मध्यकाल के किसी कवि, लेखक या रचना से सम्बन्धित)	5	P	50	50
SEMESTER II (YEAR I)						
A010801T	CORE	रीतिकालीन हिन्दी काव्य (बिहारी, देव, केशव, घनानन्द)	5	T	25	75
A010802T	CORE	आधुनिक हिन्दी काव्य (भारतेन्दु से मैथिली शरण गुप्त, जयशंकर प्रसाद, सुमित्रा नन्दन पन्त, निराला, महादेवी छायावादी युग तक)	5	T	25	75
A010803T	CORE	हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)	5	T	25	75
A010804T	THIRD ELECTIVE (Select any one)	पाश्चात्य काव्य शास्त्र एवं प्रमुख वाद	5	T	25	75
A010805T		हिन्दी पत्रकारिता एवं जनसंचार	5	T	25	75
A010806P	FORTH ELECTIVE (Select any one)	हिन्दी दलित विमर्श का सामाजिक परिप्रेक्ष्य (परियोजना प्रस्तुति)– इससे संबन्धित किसी एक विषय पर	5	P	50	50
A010807P		आदिवासी विमर्श का सामाजिक परिप्रेक्ष्य (परियोजना प्रस्तुति)– इससे संबन्धित किसी एक विषय पर	5	P	50	50
SEMESTER III (YEAR II)						
A010901T	CORE	आधुनिक हिन्दी काव्य (प्रगतिवाद से अद्यतन)	5	T	25	75
A010902T	CORE	भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा का विकास	5	T	25	75
A010903T	CORE	भारतीय साहित्य–अवधारणा, सिद्धान्त व चयनित रचनाएँ	5	T	25	75
A010904T	FIFTH ELECTIVE (Select any one)	हिन्दी साहित्य और सिनेमा	5	T	25	75
A010905T		अस्मिता विमर्श एवं स्त्री लेखन का सामाजिक, सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य	5	T	25	75
A010906P	SIXTH ELECTIVE (Select any one)	न्यूनतम 5 सेमिनार एवं उसकी प्रस्तुति	5	P	50	50
A010907P		हिन्दी साहित्य से सम्बन्धित परियोजना प्रस्तुति (आधुनिक काल के किसी कवि, लेखक या उसकी रचना से सम्बन्धित)	5	P	50	50

Scanned with OKEN Scanner

SEMESTER IV (YEAR II)						
A011001T	CORE	आधुनिक हिन्दी आलोचना–मान्यताएँ एवं प्रमुख वाद	5	T	25	75
A011002T	CORE	हिन्दी नाटक एवं निबन्ध	5	T	25	75
A011003T	SEVEN ELECTIVE (Select any one)	कबीर, सूरदास, तुलसीदास, जयशंकर प्रसाद एवं धूमिल (किसी एक रचनाकार का विशेष अध्ययन)	5	T	25	75
A011004T		किन्नर विमर्श का सामाजिक परिप्रेक्ष्य	5	T	25	75
A011005T	RESEARCH PROJECT/DISSERTATION	विभाग द्वारा निर्धारित विषय पर लघुशोध प्रबन्ध एवं तद्आधारित साक्षात्कार। अथवा गौखिकी	10	P	25	75

PROGRAMME SPECIFIC OUTCOMES

एम.ए. – प्रथम वर्ष प्रथम सेमेस्टर के हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल से रीतिकाल)' प्रश्न पत्र के अर्न्तगत विद्यार्थियों को हिन्दी के आदिकाल, भक्तिकाल और रीतिकाल के विषय में जानकारी देना तथा भारतीय ज्ञान परम्परा में हिन्दी साहित्य के विभिन्न कालों का परिचय, विकास, पृष्ठभूमि, प्रवृत्तियाँ, अवदान व महत्व आदि की जानकारी देकर छात्रों को उनके विकासक्रम से अवगत कराना, कोर–2 भक्तिकालीन हिन्दी काव्य प्रश्न पत्र के अर्न्तगत हिन्दी के भक्तिकालीन कवियों की कविताओं भावगत और शिल्पगत विशेषताओं के बारे में जानकारी देना, कोर–3 भारतीय काव्यशास्त्र एवं प्रमुख सिद्धान्त प्रश्न पत्र के अन्तर्गत भारतीय काव्यशास्त्र एवं प्रमुख सिद्धान्त बुनियादी तत्वों एवं विभिन्न सिद्धान्तों से छात्रों को अवगत कराना तथा भारतीय काव्यशास्त्र की परम्परा और उसके स्वरूप से छात्रों को भलीभांति छात्रों को परिचित कराना। प्रथम इलेक्टिव– आधुनिक कथा साहित्य प्रश्न पत्र के अन्तर्गत विद्यार्थियों को पूर्व प्रेमचन्द युग, प्रेमचन्द युग, उत्तर प्रेमचन्द युग तथा स्वातन्त्रयोत्तर युग में उपन्यास और कहानी के विकासक्रम के बारे में छात्रों को जानकारी प्रदान करना तथा आधुनिक हिन्दी के विविध गद्यरूप प्रश्न पत्र के अन्तर्गत विद्यार्थियों को हिन्दी गद्य के सभी विधाओं का सम्यक ज्ञान प्रदान करना तथा उन्हें हिन्दी गद्य विधाओं के प्रतिनिधि लेखकों के महत्वपूर्ण प्रदेय से परिचित कराना ताकि विद्यार्थी इन विधाओं से परिचित हो सकें और इस क्षेत्र में कैरियर बनाने के इच्छुक विद्यार्थी को इसके लिए तैयार करना। द्वितीय इलेक्टिव– प्रश्न पत्र के अन्तर्गत विभिन्न विधाओं के तत्वों के आधार पर लेखन कला की कौशल का विकास करना और इस क्षेत्र में कैरियर बनाने के इच्छुक विद्यार्थी को इसके लिए तैयार करना। परियोजना प्रस्तुति प्रश्न पत्र के अन्तर्गत छात्रों में विषय के प्रति गहरी समझ और अनुसंधान के प्रति दृष्टि विकसित करना।

एम.ए. – प्रथम वर्ष द्वितीय सेमेस्टर के कोर–1 प्रथम प्रश्न पत्र रीति कालीन हिन्दी काव्य प्रश्न पत्र के अन्तर्गत प्रमुख रीतिकालीन कवियों के प्रदेय से छात्रों को परिचित कराकर हिन्दी कविता के विकासक्रम से अवगत कराना। कोर–2 आधुनिक हिन्दी काव्य (भारतेन्दु से छायावाद युग तक) प्रश्न पत्र के अन्तर्गत आधुनिक कवियों

Scanned with OKEN Scanner

की रचनात्मक उनकी वैचारिकी, सम्प्रेषण कला, राष्ट्र निर्माण में आधुनिक काव्य की प्रभावी भूमि का तथा समकालीन भारत के विविध संघर्ष और चुनौतियों के प्रति नवीन दृष्टि और मूल्यबोध से छात्र अवगत होंगे। कोर–3 हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल) प्रश्न पत्र के अन्तर्गत छात्र आधुनिक युग की भूमिका, नवजागरण और राष्ट्रीय चेतना का विकास, भारतीय साहित्य में नवजागरण एवं राष्ट्रीय चेतना की अभिव्यक्ति से छात्र भलीभांति परिचित हो सकेंगे। तीसरा इलेक्टिव– पाश्चात्य काव्यशास्त्र एवं प्रमुख वाद प्रश्न के अन्तर्गत छात्र पाश्चात्य काव्य के परम्परा स्वरूप प्रमुख सिद्धान्त और विद्वानों के जीवन दर्शन और उनकी संकल्पना से अवगत हो सकेंगे। तथा हिन्दी पत्रकारिता एवं जन संचार प्रश्न पत्र के अन्तर्गत विद्यार्थी साहित्य के मूलभूत स्वरूप, रोजगार परक स्वरूप और हिन्दी में रोजगार कौशल के बारे में प्रारम्भिक जानकारी प्रदान करते हुए उन्हें व्यवसायिक प्रतिस्पर्धात्मक वातावरण के साथ सामजंस स्थापित करने में सक्षम बनाना और भारतीय संस्कृत और साहित्य के व्यवसायिक प्रचार–प्रसार में सहायक बनाना और इस क्षेत्र में कैरियर बनाने के इच्छुक विद्यार्थी को इसके लिए तैयार करना। चौथा इलेक्टिव– हिन्दी दलित विमर्श का सामाजिक परिप्रेक्ष प्रश्न पत्र के अन्तर्गत छात्र दलित विमर्श की वैचारिकी तथा दलित साहित्य के माध्यम से दलित समाज की विडम्बना और उनकी सामाजिक स्थिति का अवलोकन कर सकेंगे। आदिवासी विमर्श का सामाजिक परिप्रेक्ष प्रश्न पत्र के अन्तर्गत छात्र आदिवासी समाज और उनके जीवन सघर्ष संस्कृति और परम्परा और मूल्यबोध को आत्मसात कर सकेंगे।

एम.ए. – द्वितीय वर्ष तृतीय सेमेस्टर कोर–1 आधुनिक हिन्दी काव्य प्रश्न पत्र के अन्तर्गत छात्र आधुनिक काव्य के उद्भव विकास, आधुनिक कवियों की रचनात्मक, वैचारिकता और उनकी सम्प्रेषण कला से परिचित हो सकेंगे। कोर–2 भाषा विज्ञान और हिन्दी भाषा का विकास प्रश्न पत्र के अन्तर्गत छात्र हिन्दी भाषा का उद्भव विकास देवनागरी लिपि के स्वरूप की जानकारी काव्य भाषाओं की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। कोर–3 भारतीय साहित्य अवधारणा सिद्धान्त और चैयनित रचनाएं प्रश्न पत्र के अन्तर्गत छात्र भारत के सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक संकट की स्थिति चुनौती से अवगत होगें तथा भारत के स्वर्णिम, गौरवशाली इतिहास परम्परा और संस्कृति के ज्ञान से समृद्ध होगें। पांचवा इलेक्टिव– हिन्दी साहित्य और सिनेमा प्रश्न पत्र के अन्तर्गत छात्र साहित्य और सिनेमा के अर्न्तसम्बन्ध, साहित्य के फिल्मान्तरण की प्रक्रिया और उसकी चुनौती तथा राष्ट्र निर्माण में साहित्य और सिनेमा की प्रभावी भूमिका से परिचित हो सकेंगे। हिन्दी साहित्य से सम्बन्धित परियोजना प्रस्तुति प्रश्न पत्र के अन्तर्गत छात्रों में विषय के प्रति गहरी समझ और अनुसंधान के प्रति दृष्टि विकसित करना। छठवां इलेक्टिव– सेमिनार एवं प्रस्तुति के माध्यम से छात्रों में विषय के प्रति शोधपरक दृष्टि विकसित होगी और लेखन और वाचन कला से छात्र अवगत होगें। अस्मिता विमर्श एवं स्त्री लेखन का सामाजिक, सांस्कृतिक परिप्रेक्ष प्रश्न पत्र के अन्तर्गत छात्र स्त्री विमर्श के स्वरूप अवधारणा मूल संकल्पना, वैचारिकी स्त्री जीवन की चुनौतियों और सघर्ष राष्ट्र व सामाजिक निर्माण मे स्त्री की प्रभावशाली भूमि का और महत्व से छात्र परिचित हो सकेंगे।

Scanned with OKEN Scanner

एम.ए. – द्वितीय वर्ष चतुर्थ सेमेस्टर कोर–1 आधुनिक हिन्दी आलोचना–मान्यताएं और प्रमुख वाद प्रश्न पत्र के अन्तर्गत छात्र हिन्दी के प्रमुख आलोचकों की आलोचकीय दृष्टि एवं विचार का अध्ययन कर सकेगें इससे छात्रों की समझ और दृष्टि विकसित होने में सहायता मिलेगी। कोर–2 हिन्दी नाटक एवं निबन्ध प्रश्न पत्र के अन्तर्गत छात्र हिन्दी नाटककारों के व्यक्तित्व एवं उनकी नाट्यकला नाटकों पर पाश्चात्य प्रभाव, हिन्दी नाटकों की अभिव्यक्ति शैली प्रमुख निबन्धकारों के जीवन दर्शन और उनकी विचारधारा निबन्ध की मूल संवेदना, विकास यात्रा, भावगत एवं कलागत विशिष्टता, नाटकों की परम्परा जीवन मूल्यों से परिचित हो सकेगें। सातवां इलेक्टिव– विशेष अध्ययन प्रश्न पत्र के अन्तर्गत छात्रों को रचनाकार के जीवन दर्शन और उनकी साहित्यिकी रचनाओं में नीहित विचार धारा और मूल्यबोध को समझने की दृष्टि विकसित हो सकेगे। किन्नर विमर्श का सामाजिक परिप्रेक्ष प्रश्न पत्र के अन्तर्गत छात्र किन्नरों के सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक सघर्ष एवं चुनौतियों से परिचित हो सकेगे तथा किन्नर समुदाय की स्थिति में गुणात्मक सुधार के तत्व खोज सकेगे। रिसर्च प्रोजेक्ट/लघु शोध प्रबन्ध के अन्तर्गत छात्र में अनुसंधान की दृष्टि विकसित हो सकेगी।

Scanned with OKEN Scanner

प्रथम सेमेस्टर – प्रथम वर्ष

हिन्दी पी0जी0 – A010701T

Course Out Comes
विद्यार्थियों को हिन्दी के आदिकाल के बारे में मूलभूत जानकारी प्रदान करना और आदि काव्य की प्रतिनिधि रचनाओं और काव्यगत विशेषताओं की जानकारी प्रदान करना, सिद्ध साहित्य नाथ साहित्य के विकासक्रम, नाथ एवं सिद्धों की विचार धारा में अन्तर तथा दार्शनिक पृष्ठभूमि का सामान्य परिचय, भक्ति की पृष्ठभूमि, मध्य कालीन भक्ति आन्दोलन का परिचय एवं विकास, ज्ञानाश्रयी कवियों की विचार धारा के विभिन्न पक्षों, प्रेमाश्रयी सूफी काव्य के दार्शनिक सामाजिक पृष्ठभूमि एवं उनके महत्व को छात्रों तक सम्प्रेषित करना, राम, कृष्ण भक्ति का उदय एवं विकास, अवदान तथा महत्व के बारे में छात्रों को अवगत कराना, रीति कालीन परिस्थितियां, सामान्य प्रवृत्तियां, रीति कालीन प्रवृत्त विश्लेषण से अवगत कराना।

हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल तक)

Core – 1

इकाई – 1 : भारतीय संस्कृति अवधारणा एवं स्वरूप, प्रचीन भारत के प्रमुख ग्रन्थ, वेद, रामायण, महाभारत, उपनिषद्, गीता, अर्थशास्त्र का संक्षिप्त परिचय भारतीय संगीत एवं ललित कलाएं : संक्षिप्त परिचय

भारत का राष्ट्रीय स्वातंत्र्य आंदोलन, भारत के प्रमुख विचारक– गौतम बुद्ध, महावीर स्वामी, शंकराचार्य, गोरखनाथ, कबीर, तुलसी, रहीम, विवेकानन्द, महात्मागांधी, नेहरू, अम्बेडकर, लोहिया, सावित्री बाई फुले, ज्योतिबा फुले, पेरियार, दयानन्द सरस्वती, राजाराम मोहनराय।

इकाई – 2 : हिन्दी साहित्येतिहास दर्शन, स्रोत–सामग्री, इतिहास लेखन परम्परा एवं पुर्नलेखन की समस्याएं, काल विभाजन, नामकरण एवं सीमा निर्धारण।

इकाई – 3 : आदिकाल एवं भक्तिकाल की पृष्ठभूमि एवं तत्कालीन परिस्थितियां, सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य, जैन साहित्य, रासो साहित्य संतकाव्य धारा सूफी काव्य धारा, कृष्ण काव्य धारा की प्रमुख विशेषताएं और विशिष्ट कवि, राम काव्य धारा की प्रमुख विशेषताएं और विशिष्ट कवि सगुण – निर्गुण की अवधारणा।

इकाई – 4 : रीतिकाल की परिस्थितियाँ ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, दरबारी संस्कृति और लक्षण ग्रन्थों की परम्परा, काल सीमा निर्धारण व नामकरण, प्रमुख प्रवृत्तियाँ विभिन्न धाराएँ– रीतिबद्ध, रीति सिद्ध एवं रीतिमुक्त काव्यधारा एवं विशिष्ट कवि।

सन्दर्भ ग्रन्थः–

1. साहित्य और इतिहास दृष्टि:– डॉ0 मैनेजर पाण्डेय
2. इतिहास और आलोचना :– डॉ0 नामवर सिंह
3. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास :– डॉ0 बच्चन सिंह
4. हिन्दी साहित्य का आदिकाल :– हजारी प्रसाद द्विवेदी
5. आदिकालीन हिन्दी साहित्य :– शम्भू नाथ पाण्डेय, विश्वविद्यालय प्रकाशन

प्रतिमा

6. रासो साहित्य विमर्श :– भ्राता प्रसाद गुप्त, साहित्य भवन, इलाहाबाद।
7. हिन्दी साहित्य का इतिहास– डॉ० रामचन्द्र शुक्ल
8. हिन्दी साहित्य का इतिहास– डॉ० नगेन्द्र
9. हिन्दी साहित्य का इतिहास दर्शन– आचार्य नलिन विलोचन शर्मा, राष्ट्रभाषा परिसर, पटना
10. भक्ति आन्दोलन और भक्ति काव्य– शिव कुमार मिश्र
11. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास–डॉ० बच्चन सिंह, राधा कृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, 2000
12. रीति काव्य की भूमिका– डॉ० नगेन्द्र
13. रीति काव्य संग्रह– डॉ० जगदीश गुप्त
14. भारतीय चिन्तन परम्परा– के० दामोदरन, पीपुल्स पब्लिशिंग हाउस, रानी झांसी रोड, नई दिल्ली
15. भारत " इतिहास, संस्कृति एवं विज्ञान"– गुणाकर मुले, राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली
16. संस्कृति के चार अध्याय– रामधारी सिंह दिनकर, लोकभारती प्रकाशन , प्रयागराज

प्रतिमा

Scanned with OKEN Scanner

प्रथम सेमेस्टर – प्रथम वर्ष

हिन्दी पी०जी० – A010702T

Core - 2

Course Out Comes
हिन्दी काव्य के प्रतिनिधि कवियों की कविताओं के विषय में जानकारी देना और हिन्दी काव्य के संक्षिप्त इतिहास की जानकारी देकर विद्यार्थियों को हिन्दी कविता के विकास क्रम से अवगत कराना।

Core – 2 भक्ति कालीन हिन्दी–काव्य

(कबीर, जायसी, तुलसीदास, सूरदास)

इकाई – 1 : कबीरदास– ग्यान बिरह कौ अंग–

1. हिरदा भीतरि दौ बलय__________
2. झल ऊठी झोली जली__________
3. दीपक पावक आंणिया__________
4. दौ लागि सायर जल्या__________
5. पाणि मही प्रजली__________
6. गुर दाझ्या चेला जल्या__________
7. अहेड़ी दौंलाइया__________

<u>परचा कौ अंग–</u>

1. पार ब्रह्म के तेज का__________
2. अगम अगोचर गमि__________
3. अन्तर कमल प्रकासिया__________
4. कबीर तेज अनन्त का__________
5. कौतिक दीठा देह बिन__________
6. हद छाडि बेहद गया__________
7. सायर नाहि सीप बिन__________

पूर्णिमा

Scanned with OKEN Scanner

रस कौ अंग–

1. राम रसायन प्रेम रस____________

2. मैं मनता तृन न चरय____________

3. हरि रस पिया जानिए____________

4. कबीर हरि रस यौं पिया____________

5. सबय रसायन मै पिया____________

पद:– दुलहिनि गवहुँ मंगलचार, मन रे मनहि उलट समाना, डगमग छाणिं दे मन बौरा, जतन बिन मिरगन खेत उजारे, बहुर हम काहे कूँ आवेगे, मन रे जागत रहिये भाई, हम न मरहि मरिहैं संसारा, तैरा जन एकाग्र है कोई, सन्तौं भाई आई ग्यान की आँधी रे।

इकाई – 2 जायसी– पद्मावत– मानसरोदक खण्ड

इकाई – 3 तुलसीदास– विनय पत्रिका – 18 पद

1. जाउ कहा तजि चरन तिहारे, कबहुक अम्ब अवसर पाई, मन पछितैहें अवसर बीते, हरि तुम बहुत अनुग्रह कीन्हो, अब लौ नसानि अब न नसहियौं, जाके प्रिय न राम बैदेहि, राम जप राम जप राम जप बउरे, तू दयालु दीन ही, और काहिय मागिये को मागिबो निवारो, सुन मन मूढ सिखावन मेरो, कबहु मन विश्राम न मानय, ऐसी मूढता या मन की, नाचत ही निस दिवस मरयो, केशव कहि न जाय का कहिये, माधव मो समान जगमाही, जौ पै रामचरन रति होते, कबहुँ हौ यहि रहन रहोगो।

इकाई – 4 सूरदास– सूर सागर – 17 पद

विनय के पद :– अविगत गत काइु कहत न आवे, हमारे प्रभु अवगुन चित न धरो, अब मै नाचौं बहुत गोपाल, चरण कमल बन्दौ हरिराई।

बाल लीला के पद:– चरन गहि अंगुठा मुख मेलत, सोभित कर नवनीत लिये, किलकत कान्ह घुटरूअन आवत, जसोदा हरि पालने झुलावौ, खेलन हरि निकसे हरि कोरि, बुझत श्याम कौन तू गोरी, धेनु दुहति अति ही रति बाढी

भ्रमर गीत:– काहे को रोकत मारग सूधो, उपमा हरि तनु देख लजानि, मधुवन तुम कत रहत हरे, संदेशो देवकी सो कहियों, निर्गुण कौन देश को वासी, अखिया हरि दर्शन की भूखि।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची :–

1. कबीर:– हजारी प्रसाद द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणासी
2. कबीर– बिजयेन्द्र स्नातक राधा कृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
3. कबीर– कबीर ग्रन्थावली, श्याम सुन्दरदास
4. जायसी और उनका काव्य:– शिव सहाय पाठक साहित्य भवन, इलाहाबाद
5. जायसी ग्रन्थावली:– सम्पादक रामचन्द्र शुक्ल, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
6. सूर और उनका साहित्य– हरिवंश लाल शर्मा, भारत प्रकाशन मन्दिर, अलीगढ
7. तुलसी काव्य मीमान्सा– परशुराम चतुर्वेदी

प्रतिभा

प्रथम सेमेस्टर – प्रथम वर्ष

हिन्दी पी०जी० – A010703T

Core - 3

Course Out Comes
छात्र भारतीय काव्य शास्त्र के परम्परा और उसके स्वरूप से परिचित होंगें। काव्य एवं साहित्य का सम्यक रसास्वादन कर सकेंगे, भारतीय काव्य शास्त्र के प्रमुख सिद्धान्तों की स्थापनाओं से परिचित हो सकेंगे।

भारतीय काव्य शास्त्र एवं प्रमुख सिद्धान्त

इकाई – 1 : भारतीय काव्य शास्त्र का इतिहास, काव्य का स्वरूप, काव्य भेद, काव्य लक्षण, काव्य गुण, काव्य दोष, काव्य प्रयोजन।

इकाई – 2 : रस सम्प्रदाय– रस का स्वरूप, अवयव रस निष्पत्ति एवं साधारणीकरण।

इकाई – 3 : अलंकार सम्प्रदाय, रीति सम्प्रदाय, स्वरूप और भेद तथा रीति की अवधारणा।

इकाई – 4 : वक्रोक्ति सम्प्रदाय– अवधारणा, भेद, वक्रोक्ति अभिव्यंजनावाद, ध्वनि सम्प्रदाय, औचित्य सम्प्रदाय– प्रमुख स्थापनाएं एवं औचित्य के स्वरूप एवं भेद।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची :–

1. हिन्दी काव्यशास्त्र का इतिहास– भगीरथ मिश्र
2. काव्यशास्त्र– भगीरथ मिश्र
3. काव्य दर्पण– रामदहिन मिश्र
4. काव्यशास्त्र की भूमिका–डॉ० नगेन्द्र
5. भारतीय काव्यशास्त्र के नये क्षितिज– डॉ० राम मूर्ति त्रिपाठी
6. काव्य के सिद्धान्त और अध्ययन– गुलाब राय
7. रस सिद्धान्त– डॉ० नगेन्द्र
8. अलंकार धारणा विकास और विश्लेषण–शोभाकान्त मिश्र
9. काव्यालोचन–ओम प्रकाश शर्मा
10. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य सिद्धान्त– डॉ० गणपति चन्द्र गुप्त
11. भारतीय काव्यशास्त्र– डॉ० योगेन्द्र प्रताप सिंह

प्रतिमा

Scanned with OKEN Scanner

प्रथम सेमेस्टर – प्रथम वर्ष

हिन्दी पीएजी – A010704T

वैकल्पिक (1) (First Elective) (Select any one)

Course Out Comes
बीसवीं शताब्दी से लेकर आज तक कथा साहित्य ने कितना विकास किया, कितनी बार नये–नये मोड़ लिये, आज कैसे साहित्य की यह विधा हमारे जन जीवन से जूठी हुई है–इसका विद्यार्थियों को भलीभांति बोध कराना।

आधुनिक हिन्दी कथा साहित्य

इकाई – 1 : उपन्यास– पृष्ठभूमि, हिन्दी उपन्यास का उद्भव और विकास– 1.पूर्व प्रेमचन्द युग 2. प्रेमचन्द युग 3. उत्तर प्रेमचन्द युग, स्वातन्त्र्योत्तर युग– सामाजिक उपन्यास, समाजवादी यथार्थवाद के उपन्यास, ऐतिहासिक उपन्यास, आंचलिक उपन्यास, मनोवैज्ञानिक उपन्यास, प्रयोगशील उपन्यास, आधुनिकता बोध के उपन्यास।

इकाई – 2 : "गोदान"– प्रेमचन्द, हंस प्रकाशन, इलाहाबाद

अथवा

"नदी के द्वीप"– अज्ञेय, राधा कृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

इकाई – 3 : कहानी– पृष्ठभूमि हिन्दी कहानी उद्भव एवं विकास–1. पूर्व प्रेमचन्द युग 2. प्रेमचन्द प्रसाद युग 3. उत्तर प्रेमचन्द युग 4. स्वातन्त्र्योत्तर हिन्दी कहानी तथा कथाकार।

इकाई – 4 : संकलित कहानियाँ–

1. पुरस्कार–जयशंकर प्रसाद
2. बूढ़ी काकी–प्रेमचन्द
3. चीफ की दावत–भीष्म साहनी
4. जिन्दगी और जोंक–अमरकान्त
5. नीली झील–कमलेश्वर

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची :–

1. हिन्दी का गद्य साहित्य–रामचन्द्र तिवारी
2. गोदान का मूल्यांकन–सत्य प्रकाश मिश्र
3. प्रेमचन्द और उनका युग–राम विलास शर्मा
4. हिन्दी उपन्यास 1950 के बाद–डॉ0 नित्यानन्द तिवारी
5. नई कहानी – सन्दर्भ और प्रकृति– सम्पादक : देवी शंकर अवस्थी
6. हिन्दी कहानी – एक अंतरंग पहचान, राम दरश मिश्र
7. कहानी, नई कहानी–प्रो0 नामवर सिंह

अथवा

प्रतिमा

हिन्दी पी०जी० – A010705T

वैकल्पिक (1) (First Elective) (Select any one)

Course Out Comes
बीसवीं सदी भारतीय जीवन के राजनैतिक, सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक एवं साहित्यिक क्षेत्र में अनेक प्रकार के प्रयोगों की सदी है। अंग्रेजी भाषा के साहित्य के अध्ययन से जहां हिन्दी साहित्य जगत में कविता, नाटक, उपन्यास, कहानी, निबन्ध और आलोचना के क्षेत्र में नई–नई प्रवृत्तियां ग्रहण की गई वहा अनेक नई विधाएं–संस्मरण, रेखाचित्र, जीवनी, आत्मकथा, यात्रा साहित्य रिपोर्ताज प्रमुख हैं। ये सभी विधाएं किस तरह परस्पर घुली मिली है और इनमें किस प्रकार विभाजक रेखा अत्यन्त कठिन है–इसकी जानकारी छात्रों को प्रेषित करना।

आधुनिक हिन्दी विविध गद्य रूप

इकाई – 1 : रेखाचित्र, संस्मरण, आत्मकथा की परिभाषा, तत्व, वर्गीकरण, विकास एवं तात्विक विवेचन

इकाई – 2 : यात्रावृत्त, रिपोर्ताज, डायरी की परिभाषा, विशेषताएं एवं विकासक्रम

इकाई – 3 : फीचर, साक्षात्कार, हास्यव्यंग, जीवनी का विकास, विशेषताएं तथा आवश्यक तत्व

इकाई – 4 : संकलित विविध गद्य विधाएं–

1. रेखाचित्र – बाल गोविन्द भगत–रामवृक्ष बेनीपुरी
2. संस्मरण – आलोपी–महादेवी वर्मा
3. आत्मकथा – असुविधा का उपयोग–देवराज उपाध्याय
4. यात्रावृत–मौत की घाटी में–अज्ञेय
5. रिपोर्ताज–मानुष बने रहो–फणीश्वर नाथ रेणु
6. डायरी–एकान्तिक संताप और सच्चाई की दास्तान–मोहन राकेश
7. फीचर–इलाहाबाद–बटरोही
8. साक्षात्कार–जो अपना आदर्श बेच देता है खरीदने को कुछ नहीं बचता–विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
9. जीवनी–आवारा मसीहा : दिशा हारा–विष्णु प्रभाकर
10. हास्य व्यंग–एकलव्य ने गुरू को अंगूठा दिखाया–हरि शंकर पारसाई।

प्रतिभा

Scanned with OKEN Scanner

प्रथम सेमेस्टर – प्रथम वर्ष

हिन्दी पी०जी० – A010706P

वैकल्पिक (2) (Second Elective) (Select any one)

स्नातक के पाठ्य पुस्तक/सिलेबस/ किसी लेखक के साथ साक्षात्कार अथवा संस्मरण आदि पर न्यूनतम 2000 शब्दों में लेखन

अथवा

परियोजना प्रस्तुति (अधिकतम से पाठ्यक्रम के किसी कवि लेखक या रचना से सम्बन्धित)

द्वितीय सेमेस्टर – प्रथम वर्ष

हिन्दी पी०जी० – A010801T

Core - 1

Course Out Comes
हिन्दी काव्य के प्रतिनिधि कवियों की कविताओं के विषय में जानकारी देना और प्रमुख रीतिकालीन कवियों के प्रदेय से परिचित कराना तथा हिन्दी काव्य के संक्षिप्त इतिहास की जानकारी देकर विद्यार्थियों को हिन्दी कविता के विकासक्रम से अवगत कराना। राज्य दरबारी काव्य परम्परा में सामन्त वर्ग का प्रभुत्व रचना को किस प्रकार विकृत श्रृंगारिकता की ओर धकेलकर ले गया, बिहारी का रचना कर्म इसका साक्षी है– इसकी जानकारी छात्रों को देना एवं घनानन्द काव्य को रूढ़िबद्ध परम्परा से मुक्ति दिलाते हुए अपने प्रगतिशील होने के दावे को पुख्ता करते हैं– इसकी समझ छात्रों में विकसित करना। देव ने किस प्रकार श्रृंगार को प्रमुख विषय बनाते हुए कविता में कल्पना और भावुकता का समावेश किया, अलंकारों के मोह में पड़ने के कारण किस प्रकार इनकी कविता कमजोर पड़ती है तथा केशव को क्यों कठिन काव्य का प्रेत कहा जाता है इसका विद्यार्थियों को बोध कराना।

रीतिकालीन हिन्दी–काव्य (बिहारी, देव, केशव, घनानन्द)

इकाई – 1. बिहारी

1. मेरी भव बाधा हरौ.............................
2. नीकी दई अनाकनी.............................
3. कौन भाँति रहिहै विरद.............................
4. या अनुरागी चित की.............................
5. लखि लीन्ह हरि राधिका.............................
6. जप माला छापा तिलक.............................
7. बढ़त–बढ़त संपति सलील.............................
8. बैठि रही अति सघन बन.............................
9. कहलाने एकत बसत.............................
10. चिरजीवौ जोरी जुरै.............................
11. खेलन सिखए अलिभले.............................
12. तंत्रीनाद कवित्त रस.............................
13. लिखनि बैठी जाकी सबी.............................
14. चमचमात चंचल नयन.............................
15. कोटि जतन कोऊ करै.............................
16. इन दुखिया अंखियान को.............................
17. सीस मुकुट कटि काछनी.............................
18. औंधाई सीसी सुलखि.............................

19. कहत सबै बेदी दिए.....

20. करी विरह ऐसी तऊ.....

21. गिरि ते ऊँचे रसिक मन.....

22. करके मीडे कुसुम लौं.....

23. पत्रा ही तिथि पाइये.....

24. छुटी न सिसुता की झलक.....

25. कहत नटत रीझत खिझत.....

इकाई – 2. केशवदास

1. बालक मृणालनि.....
2. बानी जगरानी की उदारता.....
3. पूरण पुराण अरू पुरूष पुराण.....
4. मूलन ही की जहां अधोगति.....
5. शोभित मंथन की अवली.....
6. दिग्पालन की भू पालन की.....
7. केशव ये मिथिलाधिप हैं.....
8. सब क्षत्रीय आदि दै काहू.....
9. अपने–अपने ठौरनि तौ.....
10. बज्र ते कठोर है.....
11. को है दमयन्ती.....
12. बरबान सिखिन आशेष समुदय.....
13. केशवदास नींद, भूख, प्यास.....
14. वासौ मृग अंक कहय.....
15. दानिन के सील परदान के प्रहरिदीन.....

इकाई – 3. देव–रीति काव्य धारा–सम्पादक रामचन्द्र तिवारी एवं रामफेर त्रिपाठी

छन्द संख्या– 2,3,6,8,10,14,19,26,28,33,39,40,43,48

इकाई – 4. घनानन्द

1. झलकति अति सुन्दर.....
2. हीन भए जलमीन अधीन.....
3. पूरन प्रेम कोमंत्र.....
4. तबतो छवि पीवत जीवत.....

प्रतिमा

5. पहले अपनाय सुजान_____

6. रावरे रूप की रीति अनूप_____

7. आस ही अकासबेलि_____

8. घन आनन्द जीवन मूल सुजान_____

9. आशा गुन बाधि के_____

10. अन्तर उदवेग दाह_____

11. कंत रमै उर अन्तर में_____

12. अकुलानी के पानि परयौ दिन राति_____

13. सुधा के सर्वत्र बिष_____

14. गरल गुमान की गरावनि _____

15. निस चौस खरी_____

सन्दर्भ ग्रन्थ :–

1. घनानन्द और स्वच्छंद काव्य धारा– मनोहर लाल गौण
2. घनानन्द : काव्य और आलोचना – किशोरीलाल
3. केशवदास : एक अध्ययन–राम रतन भटनागर
4. केशवदास: जीवनी कला और कृतित्व – किरण चन्द्र शर्मा
5. बिहारी : विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
6. बिहारी का नया मूल्यांकन–डॉ0 बच्चन सिंह

द्वितीय सेमेस्टर – प्रथम वर्ष

हिन्दी पी०जी० – A010802T

Core - 2

Course Out Comes
छायावाद काव्य आन्दोलन, आधुनिक हिन्दी काव्य के विकास में छायावाद की सही परख एवं पहचान छात्र कर सकेंगे। छायावाद के चार आधार स्तम्भ–प्रसाद, पन्त, निराला, महादेवी वर्मा का परिचय एवं उनकी कविताओं का सम्यक अर्थ बोध छात्र प्राप्त कर सकेंगे।

आधुनिक हिन्दी काव्य (भारतेन्दु से छायावाद युग तक)

इकाई – 1. मैथिलीशरण गुप्त

1. दोनो ओर प्रेम पलता है.....
2. सखी वे मुझसे कहकर जाते(यशोधरा).....
3. रूदन का हँसना ही तो मान(यशोधरा).....

इकाई – 2. जयशंकर प्रसाद

1. अरूण यह मधुमय देश हमारा (चन्द्रगुप्त नाटक से) .....
2. बीती विभावरी जाग री (लहर) .....
3. ले चल मुझे भुलावा देकर (लहर) .....
4. जो घनीभूत पीड़ा थी (आँसू) .....
5. इस करूणा कलित हृदय में (आँसू).....
6. मानस सागर के तट पर (आँसू).....
7. आती है शून्य क्षितिज से (आँसू).....
8. क्यों व्यथित व्योग गंगा सी (आँसू).....

इकाई – 3. निराला

1. जागो फिर एक बार.....
2. संध्या सुन्दरी.....
3. कुकरमुत्ता.....

इकाई – 4. सुमित्रानन्दन पन्त

1. बापू के प्रति.....
2. ताज.....
3. मोह.....
4. मानव ("गुंजन" काव्य संग्रह से).....
5. भारत माता (युग वाणी काव्य संग्रह से).....

Scanned with OKEN Scanner

इकाई – 6. महादेवी वर्मा

1. मैं नीर भरी दुख की बदली________________
2. निशा को धो देता है राकेश________________
3. पुलक पुलक उर सिहर सिहर तन________________
4. विरह का जलजात जीवन________________

सन्दर्भ ग्रन्थ :–

1. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ–डॉ0 नामवर सिंह
2. आधुनिक हिन्दी कविता– विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
3. हिन्दी कविता–आधुनिक आयाम–डॉ0 रामदरश मिश्र
4. हिन्दी साहित्य का इतिहास–डॉ0 नगेन्द्र
5. कविता के नये प्रतिमान–डॉ0 नामवर सिंह

प्रतिभा

Scanned with OKEN Scanner

द्वितीय सेमेस्टर – प्रथम वर्ष

हिन्दी पी०जी० – A019803T

Core - 3

Course Out Comes
इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से छात्र आधुनिक युग की भूमिका राष्ट्रीय स्वाधीनता आन्दोलन का विकास, नवजागरण और राष्ट्रीय चेतना का विकास भारतीय साहित्य में नवजागरण एवं राष्ट्रीय चेतना की अभिव्यक्ति से छात्र परिचित हो सकेंगे।

हिन्दी साहित्य इतिहास (आधुनिक काल)

इकाई – 1. आधुनिक काल की सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, आधुनिकता की अवधारणा, हिन्दी नवजागरण, परिस्थितियाँ, हिन्दी गद्य का विकास (ईसाई मिशनरी, फोर्ट विलियम कालेज, सामाजिक संस्थाओं की भूमिका)

इकाई – 2. भारतेन्दु युग : प्रमुख साहित्यकार, रचनाएं, साहित्यिक प्रवृत्तियाँ।

इकाई – 3. द्विवेदी युग : प्रमुख साहित्यकार, रचनाएं, साहित्यिक प्रवृत्तियाँ।

इकाई – 4. छायावाद युग : प्रमुख साहित्यकार, रचनाएं, साहित्यिक प्रवृत्तियाँ।

इकाई – 5. उत्तर छायावादी काव्य की विविध प्रवृत्तियां : प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, नवगीत, समकालीन कविता, प्रमुख साहित्यकार, रचनाएं, साहित्यिक प्रवृत्तियाँ।

सन्दर्भ ग्रन्थ :-

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास–आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
2. हिन्दी साहित्य की भूमिका– हजारी प्रसाद द्विवेदी
3. हिन्दी साहित्य का इतिहास–नगेन्द्र
4. हिन्दी साहित्य का इतिहास–डॉ० ओंकार नाथ त्रिपाठी
5. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास–डॉ० बच्चन सिंह
6. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास–डॉ० राम स्वरूप चतुर्वेदी
7. हिन्दी साहित्य के इतिहास की समस्याएँ– डॉ० रामविलास शर्मा

Scanned with OKEN Scanner

द्वितीय सेमेस्टर – प्रथम वर्ष

हिन्दी पी०जी० – A010804T

(Third Elective) (Select any one).

वैकल्पिक (3)

Course Out Comes
पाश्चात्य काव्य शास्त्र की परम्परा व उसके स्वरूप से परिचित हो सकेंगे। प्रमुख सिद्धान्तों की विवेचना के साथ ही सिद्धान्तों की स्थापनाओं से अवगत हो सकेंगे।

पाश्चात्य काव्यशास्त्र एवं प्रमुख वाद

इकाई – 1.

1. पाश्चात्य साहित्यालोचन के विकास का सामान्य परिचय।
2. प्लेटो का काव्य सिद्धान्त।
3. अरस्तू का अनुकरण एवं विरेचन सिद्धांत।

इकाई – 2.

1. लोंजाइनस का औदात्य के सिद्धांत।
2. टी०एस० इलियट का निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत।

इकाई – 3.

1. सिद्धान्त और वाद– स्वच्छन्दतावाद, मार्क्सवाद, मनोविश्लेषणवाद, अस्तित्ववाद, आदर्शवाद, यथार्थवाद, संरचनावाद।

सन्दर्भ ग्रन्थ :–

1. पाश्चात्य काव्य शास्त्र–देवेन्द्र नाथ शर्मा
2. प्लेटो का काव्य सिद्धान्त–डॉ० निर्मला जैन
3. पाश्चात्य काव्य शास्त्र के सिद्धान्त–शन्ति स्वरूप गुप्त
4. उत्तर आधुनिकता और उत्तर संरचनावाद–सुधीस पचौरी
5. पाश्चात्य काव्य शास्त्र–भगीरथ मिश्र

अथवा

द्वितीय सेमेस्टर प्रथम वर्ष

हिन्दी पी०जी० – A010805

(Third Elective) (Select any one)

वैकल्पिक (3)

Course Out Comes
इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी साहित्य के मूलभूत स्वरूप, हिन्दी के रोजगार परक स्वरूप आदि की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे तथा हिन्दी में रोजगार कौशल प्राप्त होने के साथ ही विद्यार्थियों के नये समाज की चुनौतियों का सामना करने में सक्षम बनाने का प्रयास किया जायेगा।

हिन्दी पत्रकारिता एवं जनसंचार

इकाई – 1.

1. हिन्दी पत्रकारिता का स्वरूप,स्वतंत्रता पूर्व और स्वातंत्रयोत्तर पत्रकारिता, संक्षिप्त उद्भव एवं विकास, भारतीय हिन्दी पत्रकारिता के विभिन्न चरण– भारतेन्दु युगीन पत्रकारिता, स्वरूप वर्गीकरण और प्रमुख पत्र पत्रिकाएं, द्विवेदी युगीन पत्रकारिता– स्वरूप वर्गीकरण और प्रमुख पत्र पत्रिकाए, छायावाद युगीन पत्रकारिता, स्वरूप वर्गीकरण और प्रमुख पत्र पत्रिकाए, स्वातंत्रयोत्तर हिन्दी पत्रकारिता–विभिन्न आयाम और मूल्यांकन।

इकाई – 2.

1. स्वातंत्रयोत्तर हिन्दी पत्रकारिता : एक मूल्यांकन–दैनिक पत्र, साप्ताहिक पत्र, पाक्षिक, मासिक पत्र, इक्कीसवी सदी में पत्रकारिता के क्षेत्र मे चुनौतियाँ एवं दायित्व, पत्रकारिता का व्यसायीकरण, मीडिया और समाज।

इकाई – 3.

1. समकालीन साहित्यिक पत्रकारिता की स्थिति व समस्याएं, स्वामित्व का प्रश्न, पत्रकारिता के सिद्धान्त–स्वरूप व क्षेत्र

इकाई – 4.

1. जनसंचार माध्यम– प्रेस, रेडियो, टी० वी०, फिल्म, वीडियो एवं इण्टरनेट।

सन्दर्भ ग्रन्थ :–

1. हिन्दी पत्रकारिता और साहित्य–राम अवतार शर्मा
2. हिन्दी पत्रकारिता – कृष्ण बिहारी मिश्र
3. मीडिया मिशन से बाजारीकरण तक – राम शरण जोशी
4. हिन्दी पत्रकारिता: विविध आयाम– वेद प्रताप वैदिक
5. मीडिया–विमर्श– राम शरण जोसी

द्वितीय सेमेस्टर प्रथम वर्ष

हिन्दी पी0जी0 – A010806

(Fourth Elective) (Select any one)

वैकल्पिक (4)

Course Out Comes
इस पाठ्यक्रम के माध्यम से छात्र दलित विमर्श के स्वरूप, पृष्ठभूमि, मूल संकल्पना के इतिहास से परिचित हो सकेंगे साथ ही साथ दलित विमर्श के उद्देश्य एवं वर्तमान सन्दर्भों में उसकी आवश्यकता को समझ सकेंगे।

हिन्दी दलित विमर्श का सामाजिक अध्ययन

इकाई – 1.

1. दलित विमर्श: अर्थ, परिभाषा और स्वरूप
2. दलित विमर्श अवधारणा तथा पृष्ठभूमि
3. दलित साहित्य चिन्तन का वैचारिक आधार

इकाई – 2.

1. दलित साहित्य की परम्परा, भारत के प्रमुख सामाजिक आन्दोलन
2. दलित मुक्ति का सवाल, अस्मिता और अस्तित्व का प्रश्न

इकाई – 3.

1. दलित साहित्य के सामाजिक सांस्कृतिक सरोकार, प्रमुख प्रवृत्तियाँ

इकाई – 4.

1. आत्मकथा– मुर्दहिया–डॉ0 तुलसीराम
2. उपन्यास–"छप्पर"–डॉ0 जय प्रकाश कर्दम
3. कहानी–हारे हुए लोग–मोहनदास नैमिशारण्य, सूरजपाल –सजिस चौहान, सिलिया–सुशीला टाँकभौरे
4. कविता–बस बहुत हो चुका–ओम प्रकाश वाल्मिकी (प्रारम्भिक पाँच कविता)

सन्दर्भ ग्रन्थ :–

1. दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र– ओमप्रकाश वाल्मिकी
2. दलित साहित्य के प्रतिमान–डॉ0 एन0सिंह

प्रतिमा

3. दलित दुनिया–प्रो. कालीचरन सनेही
4. हिन्दी साहित्य में दलित चेतना–डॉ0 आनन्द बास्कर
5. दलित साहित्य का मूल्यांकन–प्रो0 चमन लाल

अथवा

द्वितीय सेमेस्टर प्रथम वर्ष

हिन्दी पी0जी0 – A010807

(Fourth Elective) (Select any one)

वैकल्पिक (4)

Course Out Comes
छात्र आदिवासी विमर्श में स्वरूप पृष्ठभूमि तथा मूल संकलपना के दर्शन से अवगत हो सकेंगे तथा आदिवासी विमर्श के अध्ययन की आवश्यकता व उद्देश्य को समझ सकेंगे।

आदिवासी विमर्श का सामाजिक परिप्रेक्ष्य

इकाई – 1.

1. आदिवासी विमर्श के परिभाषा तथा अवधारणा एवं वैचारिकी व आन्दोलन
2. जल जंगल जमीन का सवाल और आदिवासी समाज।
3. सामाजिक एवं सास्कृतिक चुनौती।

इकाई – 2. उपन्यास–

1. संजीव–धार अथवा राकेन्द्र–ग्लोबल गाँव का देवता।

इकाई – 3. कविताएँ–निर्मला पुतुल की कविताएँ

1. क्या तुम जानते हो, आदिवासी स्त्रियां, उतनी दूर मत ब्याहना ("नगाड़े की तरह बजते शब्द" काव्य संग्रह से), क्या हूँ मैं तुम्हारे लिए, बिटिया मुर्मू के लिए 1,2,3.

इकाई – 4. कहानी–अमली–हरिराम मीणा, परती जमीन–पीटर पाल एक्का, कानीबाट–मेहरुनिशा परवेज

Scanned with OKEN Scanner

नोट– उपर्युक्त पाठ्यक्रम विद्यार्थियों की सुविधा के लिए दिया गया है। इस पाठ्यक्रम पर आधारित परियोजना प्रस्तुति अपेक्षित है।

सन्दर्भ ग्रन्थ :–

1. आदिवासी दर्शन और साहित्य–वन्दना टेटे
2. आदिवासी साहित्य परम्परा और प्रयोजन–वन्दना टेटे
3. आदिवासी अस्मिता का संकट–रमणिका गुप्ता
4. भारत के आदिवासी–प्रो० मधुसूदन त्रिपाठी
5. आदित संस्कृति एवं राजनीति–एम० कुमार
6. आदिवासी स्वर्ग– हरि नारायण दत्त एवं जसप्रीत बाजवा
7. साहित्य के आइने में आदिवासी विमर्श–डॉ० एम० फिरोज खान एवं डॉ० शगुफ्ता नियाज
8. समकालीन हिन्दी आदिवासी साहित्य–डॉ बिजाबी
9. भारतीय वांगमय और दलित चेतना–डॉ० अनिल कुमार सिंह

Scanned with OKEN Scanner

तृतीय सेमेस्टर – द्वितीय वर्ष

हिन्दी पी०जी० – A010901T

Core - 1

Course Out Comes
छात्र आधुनिक काव्य के उद्भव एवं विकास, सामाजिक आर्थिक, धार्मिक, राजनीतिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि से अवगत होंगे तथा आधुनिक कवियों से शिल्पगत विशेषताओं से परिचित होंगे।

आधुनिक हिन्दी काव्य (प्रगतिवाद से अद्यतन)

इकाई – 1. नागार्जुन–बादल को घिरते देखा, सिंदूर तिलकित भाल, प्रतिबद्ध हूँ, तालाब की मछलियाँ
मुक्तिबोध– मुझे कदम–कदम पर, बहुत दिनों से।

इकाई – 2. अज्ञेय–साँप, नदी के द्वीप, कलंगी बाजरे की धूमिल–अकाल दर्शन, कविता, किस्सा जनतंत्र।

इकाई – 3. मान बहादुर सिंह–कविता का विश्वास कलकत्ता में, मुझे अच्छा लगता है, हँसी, ईश्वर की समकालीन लाचारी, सरपत

सन्दर्भ ग्रन्थ :–

1. तारसप्तक–सम्पादक अज्ञेय, भारतीय ज्ञानपीठ नई दिल्ली।
2. दूसरा तारसप्तक–सम्पादक अज्ञेय, भारतीय ज्ञानपीठ नई दिल्ली।
3. तीसरा तारसप्तक–सम्पादक अज्ञेय, भारतीय ज्ञानपीठ नई दिल्ली।
4. नई कविता और अस्तित्ववाद–डॉ० राम विलास शर्मा।
5. हिन्दी कविता आधुनिक आयाम–डॉ० रामदरश मिश्र।
6. हिन्दी कविता की प्रवृत्ति–डॉ० हरि दयाल।
7. कविता की रचना यात्रा–डॉ० राज कुमार शर्मा।
8. समकालीन हिन्दी कविता–डॉ० विश्वनाथ प्रसाद तिवारी।
9. समकालीन कविता का यथार्थ–डॉ० परमानन्द श्रीवास्तव।

तृतीय सेमेस्टर – द्वितीय वर्ष

हिन्दी पी०जी० – A010902T

Core - 2

Course Out Comes
भाषा के अंगों, हिन्दी भाषा के उद्भव और विकास और देवनागरी लिपि के स्वरूप की जानकारी प्राप्त होगी, विद्यार्थी हिन्दी की वैज्ञानिक एवं वैधानिक स्थिति से परिचित होंगे।

भाषा विज्ञान और हिन्दी भाषा का विकास

इकाई – 1. भाषा की परिभाषा, अभिलक्षण, भाषा के विभिन्न रूप, भाषा और बोली।

इकाई – 2 (क) भाषा विज्ञान की परिभाषा, क्षेत्र, अध्ययन पद्धतियाँ, स्वरूप और दिशाएँ–वर्णनात्मक, ऐतिहासिक, तुलनात्मक, उपयोगिता, भाषा विज्ञान का अन्य विषयों से सम्बन्ध।

(ख) वाक्य विज्ञान–वाक्य की परिभाषा, वाक्य के भेद, वाक्य परिवर्तन के कारण।

(ग) अर्थ विज्ञान–अर्थ अवधारणा, अर्थ परिवर्तन के कारण और दिशाएँ।

(घ) रूप विज्ञान–रूप की अवधारणा, रूपिम और संरूप की परिभाषा, रूप परिवर्तन के कारण और दिशाएँ।

(ङ) ध्वनि विज्ञान–ध्वनि अध्ययन के आयाम: उच्चारणात्मक, प्रसारणिक, श्रवणात्मक ध्वनियों का वर्गीकरण, ध्वनि परिवर्तन के कारण एवं दिशाएँ और स्वनिम विज्ञान।

इकाई – 3. हिन्दी भाषा का विकास–प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएँ, मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाएँ (अपभ्रंश औहट साहित्य और पुरानी हिन्दी का सम्बन्ध), हिन्दी की जनपदीय भाषाएँ–काव्य भाषा के रूप में अवधी का उदय और विकास, काव्य भाषा के रूप में ब्रज भाषा का उदय और विकास, साहित्यिक हिन्दी के रूप में खड़ी बोली का उद्भव और विकास।

इकाई – 4. <u>हिन्दी रूप रचना:</u>

(क) हिन्दी संज्ञा, वचन, प्रत्यय एवं उपसर्ग, हिन्दी कारक चिन्ह

(ख) हिन्दी सर्वनाम पदों का विकास।

(ग) विशेषण की रचना एवं विकास।

(घ) हिन्दी क्रिया: धातु, कृदन्त, सहायक क्रिया, संयुक्त क्रिया।

Scanned with OKEN Scanner

(ङ) नागरी लिपि–उद्भव और विकास, मानकीकरण, वैज्ञानिकता, गुण एवं दोष।

सन्दर्भ ग्रन्थ :–

1. आधुनिक भाषा विज्ञान के सिद्धान्त–राम किशोर शर्मा।
2. भाषा विज्ञान–भोलानाथ तिवारी।
3. भाषा विज्ञान की भूमिका–देवेन्द्र नाथ शर्मा।
4. भाषा विवेचन– भगीरथ मिश्र।
5. भाषाशास्त्र की रूप रेखा–उदय नरायण तिवारी।
6. हिन्दी भाषा का इतिहास–धीरेन्द्र वर्मा।
7. हिन्दी भाषा का संक्षिप्त इतिहास–भोलानाथ तिवारी।
8. हिन्दी भाषा संरचना के विविध आयाम–रविन्द्र नाथ श्रीवास्तव।
9. हिन्दी भाषा का उद्गम और विकास–उदय नरायण तिवारी।
10. हिन्दी उद्भव, विकास और रूप– हरदेव बाहरी।

प्रतिमा

Scanned with OKEN Scanner

तृतीय सेमेस्टर – द्वितीय वर्ष

हिन्दी पी0जी0 – A010903T

Core - 3

Course Out Comes
विद्यार्थियों में भारतीय साहित्य के प्रति समझ विकसित करना, भारत की सामाजिक, सांस्कृतिक परम्परा के आलोक में साहित्य का रसास्वदन कराना, देश की सभ्यता व विविध संस्कृत से परिचित कराना, राष्ट्रीय मूल्य व चेतना का बीजारोपण करना तथा राष्ट्र की एकता व अखण्डता एवं सम्प्रभुता की स्थापना में सहायता करना।

भारतीय साहित्य–अवधारणा, सिद्धान्त व चयनित रचनाएं

इकाई – 1. भारतीय साहित्य–स्वरूप, लक्षण, महत्ता एवं बहुलता, अवधारणा एवं व्यापकता, मूल्य चेतना, भारतीय साहित्य का सामासिक स्वरूप, आधार तत्व, भारतीय साहित्य का संक्षिप्त परिचय–बंगला, असमिया, कश्मीरी एवं तमिल।

इकाई – 2. (क) उपन्यास–रविन्द्रनाथ टैगोर कृत "गोरा"

अथवा

यू0आर0अनन्त मूर्ति कृत "संस्कार"

(ख) नाटक– विजय तेन्दुलकर कृत "घासीराम कोतवाल"

इकाई – 3. कहानी–कुर्रतुल एन हैदर (उर्दू) – "अगले जनम बिटिया ही कीजो"

इन्दिरा गोस्वामी (असमिया)– एक अविस्मरणीय यात्रा।

इकाई – 4. (क) कविता–सुनील गंगोपाध्याय (बंगला)– "थोड़ी सी प्यार की बातें।"

(ख) कण्णदासन(तमिल)–"कवि अनुभूति"

(ग) सीताकान्त महापात्रा (उड़िया)–"कवि कर्म"

(घ) जी0शंकर कुरुप (मलयालम)–"बाँसुरी"

सन्दर्भ ग्रन्थ :–

1. आज का भारतीय साहित्य–प्रभाकर माचवे।
2. भारतीय साहित्य का समेकित इतिहास–डॉ0 नगेन्द्र।
3. भारतीय साहित्य कोश–डॉ0 नगेन्द्र।
4. भारतीय भाषाओं के साहित्य का रूप दर्शन– गौरीशंकर पाण्डेय।
5. अखिल भारतीय साहित्य: विविध आयाम–सम्पादक– सतीश कुमार रेहरा।
6. भारतीय भाषा साहित्य–विभूति मिश्र।
7. साहित्य अकादमी द्वारा भारतीय लेखकों पर बनी सी0डी0।

प्रतिमा

Scanned with OKEN Scanner

तृतीय सेमेस्टर – द्वितीय वर्ष

हिन्दी पी०जी० – A010904T

(Fifth Elective) (Select any one)

वैकल्पिक (5)

Course Out Comes
छात्र साहित्य और सिनेमा के अन्तर सम्बन्धों से परिचित हो सकेंगे तथा सिनेमा के आधारभूत तत्वों एवं साहित्य फिल्मान्तरण की प्रक्रिया व उसकी चुनौती को समझ सकेंगे।

हिन्दी साहित्य और सिनेमा

इकाई – 1. (क) साहित्य और सिनेमा–स्वरूप और महत्व

(ख) सिनेमा के अर्न्तनिहित तत्व।

(ग) सिनेमा के ऐतिहासिक विकास यात्रा।

(घ) साहित्य और सिनेमा का अन्तर सम्बध।

इकाई – 2. (क) साहित्य के फिल्मान्तरण की समास्या और चुनौती।

(ख) साहित्यिक सिनेमा का सामाजिक, आर्थिक, राजनीति व सांस्कृतिक प्रभाव

इकाई – 3.(क) प्रमुख साहित्यिक कृतियाँ–तमस,यही सच है, तीसरी कसम तथा चारणदास चोर के फिल्मान्तरण पर परिचर्चा।

(ख) राष्ट्र और समाज निर्माण में साहित्यिक सिनेमा की वैचारिक भूमिका।

इकाई – 4. (क) भारतीय समाज का यथार्थ एवं हिन्दी सिनेमा

(ख) साहित्यिक सिनेमा का भविष्य।

सन्दर्भ ग्रन्थ :–

1. भारतीय सिनेमा का सफरनामा–डॉ० पुनीत बिसारिया
2. नया सिनेमा–बृजेश्वर मदान
3. हिन्दी सिनेमा का इतिहास–मनमोहन चड्ढा
4. भारतीय सिनेमा सिद्धान्त–अनुपम ओझा
5. हिन्दी सिनेमा के 100 वर्ष–प्रहलाद अग्रवाल
6. सिनेमा कल आज और कला–विनोद भारद्वाज
7. राजकपूर : आधी हकीकत आधा फँसाना– प्रहलाद अग्रवाल
8. सिनेमा का जादुई सफर–प्रताप सिंह

अथवा

तृतीय सेमेस्टर – द्वितीय वर्ष

हिन्दी पी0जी0 – A010907T

(Six Elective) (Select any one)

वैकल्पिक (6)

Course Out Comes
स्त्री विमर्श के स्वरूप एवं अवधारणा, मूल संकल्पना और वैचारिकी से, स्त्री मुक्ति के सवालों और प्रयासों को समझने में छात्रों को सहायता होगी।

अस्मिता विमर्श एवं स्त्री लेखन का सामाजिक, सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य

इकाई – 1. स्त्री विमर्श: अर्थ स्वरूप एवं उद्देश्य, अवधारणा एवं वैचारिक संकल्पना, स्त्री विमर्श का इतिहास–पाश्चात्य एवं भारतीय सन्दर्भ में, भारतीय सामाजिक संरचना और स्त्री प्रश्न, स्त्री मुक्ति का सवाल, पितृसत्ता की च ुनौती व संघर्ष, वर्तमान सन्दर्भ में स्त्री विमर्श की दिशा एवं दशा।

इकाई – 2. उपन्यास–आपका बंटी–मन्नू भन्डारी।

इकाई – 3. (क) कहानी–सिक्का बदल गया–कृष्णा सोबती

(ख) तलईया–नासिरा शर्मा

(ग) गुल की बन्नो–धर्मवीर भारती

सन्दर्भ ग्रन्थ :–

1. उपनिवेश में स्त्री–प्रभा खेतान
2. स्त्री उपेक्षिता–प्रभा खेतान
3. स्त्री संघर्ष का इतिहास–राधा कुमार
4. भविष्य का स्त्री विमर्श–ममता कालिया
5. साहित्य की जमीन और स्त्री–रोहिणी अग्रवाल
6. आलोचना का स्त्री पक्ष, पद्धति, परम्परा और पाठ–सुजाता
7. स्त्री का समय–क्षमा शर्मा
8. स्त्री विमर्श–रमणिका गुप्ता

प्रतिमा

Scanned with OKEN Scanner

तृतीय सेमेस्टर – द्वितीय वर्ष

हिन्दी पी०जी० – **A010906T**

(Six Elective) (Select any one)

वैकल्पिक (6)

Course Out Comes
सेमीनार प्रस्तुति के माध्यम से छात्रों में विषय के प्रति शोधपरक दृष्टि विकसित होगी एवं शोध लेखन व वाचन की कला से छात्र अवगत होंगे।

न्यूनतम 5 सेमिनार एवं उसकी प्रस्तुति

अथवा

तृतीय सेमेस्टर – द्वितीय वर्ष

हिन्दी पी०जी० – **A010905T**

(Fifth Elective) (Select any one)

वैकल्पिक (6)

Course Out Comes
छात्रों में परियोजना प्रस्तुति के माध्यम से विषय के प्रति गहरी समझ और अनुसंधान के प्रति दृष्टि विकसित होगी।

हिन्दी साहित्य से सम्बन्धित परियोजना प्रस्तुति

(आधुनिक काल के किसी कवि, लेखक व उसकी रचना से सम्बन्धित)

Scanned with OKEN Scanner

चतुर्थ सेमेस्टर – द्वितीय वर्ष

हिन्दी पी0जी0 – A011001T

(Core - 1)

Course Out Comes
इस पाठ्यक्रम से आलोचना के अर्थ स्वरूप परिभाषा, आलोचना के प्रकार एवं उनकी विशिष्टताओं से तथा हिन्दी आलोचना के उद्भव एवं विकास यात्रा को छात्र भलीभांति समझ सकेंगे।

आधुनिक हिन्दी आलोचना की मान्यताएं एवं प्रमुख वाद

इकाई – 1. आलोचना : अर्थ, स्वरूप एवं प्रकार तथा विशिष्टता।

इकाई – 2. हिन्दी आलोचना का विकास।

(क) शुक्ल पूर्व हिन्दी आलोचना।

(ख) शुक्लयुगीन हिन्दी आलोचना

(ग) शुक्लोत्तर हिन्दी आलोचना

इकाई – 3. हिन्दी के प्रमुख आलोचक और उनकी आलोचनात्मक दृष्टि– आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, आचार्य नन्द दुलारे वाजपेयी, डॉ0 नगेन्द्र, डॉ0 रामविलास शर्मा, डॉ0 नामवर सिंह

सन्दर्भ ग्रन्थ :–

1. हिन्दी आलोचना के बीज शब्द–बच्चन सिंह
2. हिन्दी आलोचना–विश्वनाथ त्रिपाठी
3. आलोचना का नया पाठ–गोपेश्वर सिंह
4. हिन्दी आलोचना का विकास–नन्द किशोर नवल
5. आस्था और सौन्दर्य–रामविलास शर्मा।
6. आस्था के चरण–डॉ0 नगेन्द्र
7. दूसरी परम्परा की खोज–नामवर सिंह

Scanned with OKEN Scanner

चतुर्थ सेमेस्टर – द्वितीय वर्ष

हिन्दी पी०जी० – A011002T

(Core - 2)

Course Out Comes
छात्र हिन्दी निबन्ध के अर्थ स्वरूप और उद्देश्य तथा विकास यात्रा से परिचित हो सकेंगे। हिन्दी निबन्धों के भाषागत और कलागत विशेषताओं को समझ सकेंगे। हिन्दी नाटक के स्वरूप एवं पृष्ठभूमि, नाटक के उद्भव एवं उसकी विकास यात्रा तथा नाटक और रंगमंच के अन्तर्सम्बन्ध से परिचित हो सकेंगे।

हिन्दी गद्य साहित्य– नाटक एवं निबन्ध

इकाई – 1. नाट्य रचना–स्कन्द गुप्त–जयशंकर प्रसाद

अथवा

आषाढ़ का एक दिन–मोहन राकेश

इकाई – 2. निर्धारित निबन्धों की व्याख्या एवं समीक्षा–

(क) नाखून क्यों बढ़ते हैं–आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी

(ख) प्रासंगिकता का प्रश्न–अज्ञेय

(ग) मेरे राम का मुकुट भीग रहा है–डॉ० विद्या निवास मिश्र

(घ) ईर्ष्या–रामचन्द्र शुक्ल

(ङ) आवरण की सभ्यता–सरदार पूर्ण सिंह

सन्दर्भ ग्रन्थ :–

1. हिन्दी का गद्य साहित्य–डॉ० रामचन्द्र तिवारी
2. हिन्दी निबन्ध का विकास–डॉ० ओमकार नाथ शर्मा
3. निबन्ध सिद्धान्त और प्रयोग–डॉ० हरिहर नाथ द्विवेदी
4. मोहन राकेश और उनके नाटक–गिरिश रस्तोगी
5. आचार्य शुक्ल और हिन्दी समीक्षा–डॉ० रविका प्रसाद त्रिपाठी
6. आचार्य शुक्ल सन्दर्भ और दृष्टि–डॉ० जगदीश नारायण

चतुर्थ सेमेस्टर – द्वितीय वर्ष

हिन्दी पी०जी० – A011003T

(Seventh Elective) (Select any one)

वैकल्पिक (7)

Course Out Comes
इस पाठ्यक्रम के माध्यम से छात्रों को रचनाकार के जीवन दर्शन एवं उनकी साहित्यिक रचनाओं में निहित विचारधारा मूल्यबोध व आलोचकीय दृष्टि को समझने में सहायता प्राप्त होगी।

कबीरदास, सूरदास, तुलसीदास, जयशंकर प्रसाद एवं धूमिल (किसी एक रचनाकार का विशेष अध्ययन)

पाठ्यक्रम–निम्नलिखित साहित्यकारों में से मात्र किसी एक का विशेष अध्ययन अपेक्षित है:–

1. **कबीरदास–**

   कबीर ग्रन्थावली सम्पादक डॉ० श्याम सुन्दर दास

   (सम्पूर्ण साखी भाग तथा प्रारम्भिक 150 पद)

2. **जायसी–**

   जायसी ग्रन्थावली सम्पादक रामचन्द्र शुक्ल

3. **सूरदास–**

   सूरसागर (भाग एक और दो) – नागरी प्रचारिणी सभा संस्करण

4. **तुलसी–**

   तुलसी ग्रन्थावली – नागरी प्रचारिणी सभा संस्करण

   (व्याख्या केवल रामचरित मानस, विनय पत्रिका और कवितावली से)

5. **जयशंकर प्रसाद–**

   प्रसाद ग्रन्थावली – रत्न शंकर प्रसाद

   (व्याख्या केवल कामायनी, आंसू, लहर तथा चन्द्रगुप्त तथा स्कन्दगुप्त से)

6. **सुदामा प्रसाद पाण्डेय "धूमिल"–**

   संसद से सड़क तक –

   (व्याख्या केवल मोचीराम, पटकथा, कविता, बीस साल बाद, जनतंत्र के सूर्योदय में, अकाल दर्शन, नक्सल बाड़ी भाषा की रात)

सन्दर्भ ग्रन्थ :–

1. कबीर– हजारी प्रसाद द्विवेदी
2. कबीर– बिजयेन्द्र स्नातक
3. कबीर साहित्य की परख–परशुराम चतुर्वेदी
4. जायसी और उनका काव्य–शिव सहाय पाठक
5. जायसी ग्रन्थावली–रामचन्द्र शुक्ल
6. सूर और उनका साहित्य–हरवंश लाल शर्मा
7. सूरदास–ब्रजेश्वर वर्मा
8. तुलसी काव्य मीमांसा–उदयभान सिंह

अथवा

8. सिनेमा की निगाह में थर्ड जेन्डर– डॉ० एम० फिरोज खान एवं शिपरा किरण

चतुर्थ सेमेस्टर – द्वितीय वर्ष

हिन्दी पी०जी० – A011005T

(Research Project/Dissertation)

लघु शोध प्रबन्ध (मौखिक परीक्षा सहित)

नोट–

1. इस प्रश्न–पत्र के लिए विषय विभाग के द्वारा निर्धारित किया जायेगा।
2. लघु शोध प्रबन्ध लेखन कार्य प्रभारी अध्यापक के दिशा निर्देशन में किया जायेगा।
3. इसके लिखित अंक 50 और मौखिक अंक 50 होगें।
4. शोध प्रबन्ध का मूल्यांकन एवं मौखिकी वाह्य परीक्षकों द्वारा सम्पन्न होगी।

अथवा

मौखिकी परीक्षा

अथवा

चतुर्थ सेमेस्टर – द्वितीय वर्ष

हिन्दी पी०जी० – A011004T

(Seventh Elective) (Select any one)

वैकल्पिक (7)

Course Out Comes
किन्नर विमर्श के स्वरूप पृष्ठभूमि पौराणिक एवं ऐतिहासिक सन्दर्भ से छात्र परिचित हो सकेंगे तथा किन्नर विमर्श के मूल संकल्पना एवं वैचारिकी एवं किन्नर समुदाय की सामाजिक स्थित का विश्लेषण करने में समर्थ हो सकेंगे।

किन्नर विमर्श का सामाजिक परिप्रेक्ष्य

इकाई – 1. किन्नर साहित्य : अर्थ स्वरूप एवं परिभाषा, अवधारणा एवं उद्देश्य, किन्नर विमर्श का इतिहास–

1. पौराणिक 2. आधुनिक सन्दर्भ, चुनौती एवं संघर्ष।

इकाई – 2. उपन्यास–

नाला सोपारा–चित्रा मुद्गल अथवा

दर्द न जाने कोई –लवलेश

इकाई – 3. कहानी–

(क) ई मूर्दन का गाव–कुसुम अंसल

(ख) किन्नर– एस.आर. हरनोट

(ग) बिन्दा महाराज–शिव प्रसाद सिंह

सन्दर्भ ग्रन्थ :–

1. थर्ड जेन्डर का यथार्थ– शगुफ्ता नियाज
2. थर्ड जेन्डर – डॉ. एम. फिरोज खान
3. किन्नर विमर्श साहित्य के आईने में – डॉ. इकरार अहमद
4. थर्ड जेन्डर विमर्श – शरद सिंह
5. थर्ड जेन्डर – अस्मिता और संघर्ष–डॉ० विजेन्द्र प्रताप सिंह एवं रवि कुमार गौड़
6. हिन्दी उपन्यासों के आइने में थर्ड जेन्डर– डॉ० विजेन्द्र प्रताप सिंह
7. थर्ड जेन्डर – विशेषांक – अप्रैल से सितम्बर– 2018